लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

नयनतारा ने सामंथा की मां इंटी... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 83 | गाजियाबाद / शुक्रवार 26 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

जयपुर में 2 करोड़ का रोबोट करा रहा एक्सरसाइज

मरीज के मूवमेंट पर बारीकी से रख रहा नजर, एसएमएस हॉस्पिटल में शुरुआत

जयपुर (एजेंसी)। बीमारी की वजह से खुद एक्सरसाइज न कर पाने वाले मरीजों को रोबोट एक्सरसाइज करा रहा है। इसके लिए सवाई मान सिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के रीजनल रिहैबिलिटेशन सेंटर में करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से रोबोटिक फिजियोथेरेपी की शुरुआत हो चुकी है।

दावा किया जा रहा है कि यह फिजियोथेरेपी पैरालाइसिस, स्पाइनल इंजरी, ब्रेन इंजरी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे मरीजों के लिए मददगार साबित हो रही है। इसकी खास बात यह है कि एक बार तय एक्सरसाइज का कमांड देने के बाद जितने चाहो उतने मूवमेंट कराए जा सकते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि पैरालाइसिस, स्पाइनल इंजरी, ब्रेन इंजरी जैसी बीमारियों में फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा

मरीजों को लगातार एक्सरसाइज कराना चुनौती भरा होता है। लकवा या स्पाइनल इंजरी के मरीजों को रोजाना एक्सरसाइज कराना जरूरी होता है, ताकि शरीर का मूवमेंट बना रहे। वे रिकवर कर सकें।

इसके लिए रोबोटिक फिजियोथैरेपी गेम चेंजर साबित हो रही है।

रोबोट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रोग्रामिंग क्षमता है। फिजियोथेरेपिस्ट को केवल एक बार मरीज की स्थिति और आवश्यकता के अनुसार डेटा सेट करनी पड़ती है। इसके बाद यह मशीन खुद-ब-खुद तय मानकों के अनुसार मरीज को एक्सरसाइज कराती है। मशीन यह सुनिश्चित करती है कि हर मूवमेंट बिल्कुल सटीक हो। इससे मरीज की रिकवरी तेज गति से होती है।

चुनौती - मरीजों के हिसाब से 1 रोबोट नाकाफी

रीजनल रिहैबिलिटेशन सेंटर की ओपीडी में रोजाना 300-350 मरीज आते हैं, जबकि आईपीडी में 60 मरीज होते हैं। एक मरीज की थेरेपी में करीब 45 मिनट लगते हैं। जिस अनुपात में मरीज आते हैं, उस हिसाब से तो सिर्फ 1 रोबोट नाकाफी है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि ये शुरुआत है, भविष्य में और बढ़ाए जा सकते हैं। रोबोट से किस मरीज की थेरेपी होगी, यह डॉक्टर तय करते हैं।

आसानी से कराई जा सकती है एक्सरसाइज : डॉ. जोशी

एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी बताते हैं- रोबोट से अपर और लोवर लिम्ब की एक्सरसाइज बड़ी आसानी से कराई जा सकती है। इससे उन मरीजों को फायदा होगा, जो बिल्कुल भी मूवमेंट नहीं कर सकते हैं। इसे ऐसे भी समझा जा सकता है कि एक सामान्य इंसान जिसे कोई काम करना है तो सबसे पहले ब्रेन एक्टिव होता है। फिर बॉडी तय करती है कि कौन-कौन सी मांसपेशियां इसमें काम करेंगी। फिर पूरे कॉर्डिनेशन के साथ बॉडी रेस्पॉन्ड करती है। किसी को स्ट्रोक, ब्रेन इंजरी या कोई अन्य गंभीर बीमारी होती है तो ये कॉर्डिनेशन बिगड़ जाता है। ऐसे मामलों में लगातार मूवमेंट से ये कॉर्डिनेशन रोबोट के जरिए हो सकेगा। इससे न सिर्फ मांसपेशियों में सुधार हो सकता है बल्कि मांसपेशियों और ब्रेन का कॉर्डिनेशन भी बेहतर हो सकता है। रोबोट मरीज के मूवमेंट पर बारीकी से नजर रखता है और जरूरत के अनुसार उसे नियंत्रित करता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेजन ने मिलाया पीएम मोदी से हाथ

- भारत में 4,50,000 करोड़ निवेश करेगी कंपनी, 38 लाख नौकरियों के अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के सीईओ अमेजन एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान जेसी ने भारत के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई। जेसी ने कहा कि अमेजन भारत में अपने विस्तार और कारोबार को सपोर्ट करने के लिए साल 2026 से 2030 तक कुल 48 अरब डॉलर (करीब 4.50 लाख करोड़ रुपये) निवेश करेगी। इससे लाखों नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

जेसी ने देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए साल 2030 तक अतिरिक्त 13 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एंडी ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेजन के भारत में भविष्य की योजनाओं को लेकर हुई मुलाकात बेहद अच्छी रही। हम एक दशक से अधिक समय से भारत में ग्राहकों, विक्रेताओं, डेवलपर्स, स्टार्टअप्स और उद्योगों को सेवाएं दे रहे हैं और अभी हमारी यात्रा की शुरुआत ही हुई है।

केतन की हत्या के पहले सिया-चेतन कैफे में मिले थे

- यहीं मर्डर का प्लान बनाया, सिया बोली- शादी से इनकार किया था, केतन नहीं माना

पुणे (एजेंसी)। पुणे केतन मर्डर केस में नया वीडियो सामने आया है। केतन की हत्या के एक दिन पहले 17 जून को आरोपी सिया और प्रेमी चेतन चौधरी एक कैफे में मिले थे। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि यहीं लोहगढ़ किले पर केतन को खाई में धक्का देने का प्लान बनाया था।

दोनों ने वह पॉइंट भी ढूंढ लिया, जहां से केतन को धक्का देना था। यदि केतन इससे भी बच जाता तो 20 जून के बाद सड़क हादसे में मारने का बैकअप प्लान तैयार था। दरअसल, 31 मई को सिया और मंगेतर केतन लोहगढ़ किले गए थे। वहां केतन एक खतरनाक जगह बैठा था। तभी सिया को उसे मारने का आइडिया आया। 14 जून को भी केतन को धक्का देने की कोशिश की गई थी। उस समय सिया ने सांप दिखने का बहाना बनाकर घटना को हादसा बताने की कोशिश की थी, लेकिन केतन बच गया था।

मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

- ट्रक में घुसी कार, चार की मौत, दो की हालत गंभीर

मंदसौर (एजेंसी)। मंदसौर में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुई। सीतामऊ थाना पुलिस के मुताबिक, रेनॉल्ट ट्राइबर कार में छह लोग सवार थे। सभी महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वे दिल्ली मोबाइल इक्विपमेंट का सामान लेने जा रहे थे, लेकिन इस बीच तितरोद में हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के मुताबिक, परिजनों को सूचना दे दी गई है। संभवत: वह गुरुवार देर रात या शुक्रवार सुबह तक मंदसौर पहुंचेंगे, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू होगी। चारों शवों को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही रखा गया है।

वेनेज़ुएला में आया विनाशकारी भूकंप

- अब तक 164 की मौत, 971 घायल, 1,00,000 मौतों की आशंका, आपातकाल घोषित

वेनेज़ुएला में भूकंप के समय ज्यादातर लोग घरों में थे, आजादी की लड़ाई की सालगिरह पर दफ्तर-स्कूल बंद थे

कराकस, वेनेजुएला (एजेंसी)। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। मीडिया सूत्रों के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं।

ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44 प्रतिशत आशंका है। वहीं, 30 प्रतिशत आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं।

नेपाल में सुबह-सुबह कांपी धरती, 3.8 तीव्रता के भूकंप से हड़कंप

नेपाल में गुरुवार सुबह हल्का भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 3.8 दर्ज की गई। यह झटका सुबह 5 :21 बजे आया और इसकी गहराई करीब 25 किलोमीटर थी।

पीएम मोदी ने विनाशकारी भूकंप पर जताया दुख

मदद का दिया भरोसा, वेनेजुएला ने मोदी को मदद के लिए कहा धन्यवाद- पीएम मोदी ने वेनेजुएला में आए महाविनाशकारी भूकंप पर दुख जताता है और कहा है कि भारत हर संभव मदद के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से मैं वेनेजुएला सरकार से दुख व्यक्त करता हूं। खासतौर पर उन लोगों से

जिन्होंने अपने करीबी लोगों को खो दिया। हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत संकट की इस घड़ी में वेनेजुएला की जनता के साथ खड़ा है। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्त संवेदना और सहायता के आश्वासन का वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने स्वागत किया। उन्होंने भारत के प्रति आभार व्यक्त किया और इस कठिन समय में समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी की पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने लिखा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावनाओं का दिल से स्वागत करते हैं, उन्होंने हमारे देश में आए विनाशकारी भूकंप से मची तबाही को लेकर अपनी संवेदनाएं जाहिर कीं और भारत की ओर से राहत कार्यों में मदद करने की इच्छा जताई।

- भरत एनकाउंटर मामले में 8 दिन बाद सीएम सम्राट बोले-

दोषी को सजा होगी

- रिटायर्ड जज से भरत की मां बोलीं-हत्यारों को फांसी हो, प्रशासन गुंडा है, एसडीएम को भी फंदे से लटकाओ

पटना/भोजपुर (एजेंसी)। भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर के 8 दिन बाद सीएम सम्राट चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि समस्या यदि सामने आती है तो सरकार तुरंत चिंतित होकर आगे बढ़ेगी। सरकार ने सबसे ऊपर के आयोग का गठन किया है। जो गलत होगा उस पर कार्रवाई होगी।

इधर, भरत तिवारी मुठभेड़ की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। गुरुवार सुबह रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा अपनी टीम के साथ भरत तिवारी के गांव बिलौटी पहुंचे।

उनके साथ शाहबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश, भोजपुर के डीएम तनय सुल्तानिया, भोजपुर के एसपी राज समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद हैं। रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने भरत तिवारी के

माता-पिता और भाई से भी मुलाकात की है। साथ ही वारदात से जुड़े जगहों का निरीक्षण किया। विनोद कुमार सिन्हा से मुलाकात के बाद भरत तिवारी की मां आशा देवी ने बताया, उन्होंने मुझसे कहा कि आप लिखकर दीजिए क्या चाहती हैं।

जयपुर के मुहाना से 4 भाई-बहन अचानक गायब

जयपुर (एजेंसी)। राजधानी जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे पुलिस महकमे और स्थानीय लोगों की नींद उड़ा दी है। एलएनटी रोड के पास रहने वाले दो सगे भाइयों के परिवारों के चार मासूम बच्चे अचानक रहस्यमय ढंग से लापता हो गए हैं। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे ट्यूशन से लौटने के बाद घर से निकले ये बच्चे देर रात तक वापस नहीं लौटे। जब आस-पास की हर संभावित जगह पर तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो बदहवास परिजनों

- ट्यूशन से लौटे और फिर घर नहीं आए

ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया। लापता बच्चों में अनिरुद्ध साहनी की बेटियां अंशिका (13) व आराध्या (9) और पप्पू साहनी की बेटी सलोनी (11) व बेटा सचिन (8) शामिल हैं।

चूड़ी की दुकान पर रुके, फिर लिया ई-रिक्शा?-मामले की गंभीरता को देखते हुए मुहाना थानाप्रभारी गुर भूपेंद्र ने तुरंत विशेष टीमों का गठन किया। जब पुलिस ने इलाके के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की, तो बच्चों के लापता होने के रूट को लेकर कुछ बेहद महत्वपूर्ण और चौंकाने वाले सुराग हाथ लगे।

गोदाम हादसे में मौतों का आंकड़ा 11 पहुंचा

- मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए सेना का ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार लगाया गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन गोदाम ढहने के हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। हादसे के दूसरे दिन भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान जारी है। सेना ने सर्च ऑपरेशन में अत्याधुनिक ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार सिस्टम भी तैनात किया है। गुरुवार सुबह मलबे से पांच और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके साथ ही अब तक मलबे से निकाले गए लोगों की कुल संख्या 30 हो गई है।

अपहरण, दरिंदगी और कत्ल

दर्दभरी चीखें, बेबसी और रहम की गुहार, कार में हैवानियत, चिल्लाने पर मासूम का मर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर शर्मसार हुई है। महरौली इलाके से कैब चालक ने मासूम का अपहरण कर लिया। इसके बाद उसके साथ हैवानियत की और फिर मार डाला। जिस समय बच्ची का अपहरण किया गया, वह फुटपाथ पर सो रही थी। कैब के चलने पर बच्ची की नींद खुली तो वो हैरानी से चिल्लाई। इस पर आरोपी ने घुमाकर परिवार के पास छोड़ने का भरोसा दिया था।

दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके 11 साल की मासूम बच्ची के अपहरण, उसके साथ दरिंदगी और फिर बेरहमी से हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। आरोपी वासू सिंह उर्फ बब्लू ने जिस नृशंसता से इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया, उसका कबूलनामा सुनकर पुलिसकर्मियों के भी रोंगटे खड़े हो गए।

हवस में अंधे हो चुके आरोपी ने छत्तरपुर रोड पर मांडी गांव के बाद कैब सुनसान जगह पर रोकी और बच्ची से दुष्कर्म किया। इस दौरान बच्ची की दर्दभरी चीखों, उसकी बेबसी और रहम की गुहार से भी वह नहीं पिघला। उसने मासूम की अस्मिता को रौंदा और अपनी करतूत छिपाने के लिए दर्द से बिलखती नाबालिग की सांसें भी छीन लीं। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी वारदात से पहले गांजे के नशे में था। उसने बच्ची अपनी मां, तीन बहन-भाई के बाद पांचवें नंबर पर सोता देख उसे कैब में लिटा लिया और गाड़ी गुरुग्राम की ओर मोड़ दी। इस बीच बच्ची की नींद खुली और खिड़की से बाहर देख वह पापा...पापा .. चिल्लाने लगी। आरोपी ने उसे कहा कि वह घुमाकर परिवार के पास छोड़ देगा।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक बच्ची की आवाज सुनकर उसके पिता ने कार का पीछा भी किया और बदहवास हालात में जहां परिवार सो रहा था वहां आया और अपहरण की जगह पर सो रहे बुजुर्ग से कार चालक के बारे में पूछा लेकिन वह कुछ बता नहीं आए। इस पर पीड़ित परिवार ने करीब 5:30 बजे पुलिस को सूचना दी।

महरौली थानाध्यक्ष रितेश शर्मा और इंस्पेक्टर लॉ एंड ऑर्डर अजय यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी कैमरों से पुलिस को काफी सुराग मिल गए थे। इधर, आरोपी वासू सिंह बच्ची की हत्या करने के बाद शव कार की पिछली सीट पर रखा और 10 से 12 किलोमीटर दूर फरीदबाद -गुरुग्राम रोड पर सुशांत लोक

के नजदीक जंगल में ले गया। बच्ची के शव को झाड़ियों और पत्थरों से ढक दिया था। यहां से गुरुग्राम के चक्करपुर स्थित अपने कमरे पर पहुंचा था और सामान्य दिनचर्या शुरू कर दी थी।

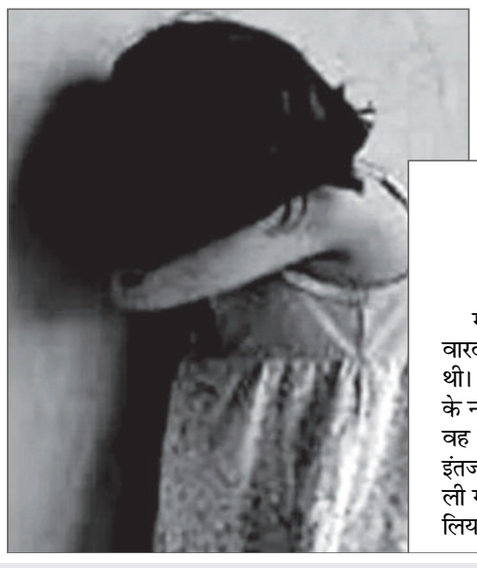

वारदात के पौन घंटे बाद ही बुकिंग ले ली थी

महरौली में बच्ची के साथ दुष्कर्म व हत्या करने की वारदात के बाद ही आरोपी ने पौने घंटे बाद ही बुकिंग ले ली थी। उसने सोमवार सुबह 7 बजे गुरुग्राम के चक्करपुर से दिल्ली के नांगलोई की बुकिंग ली थी। नांगलोई में सवारी को छोड़कर वह विकासपुरी आ गया और यहां वह अगली बुकिंग का इंतजार करने लगा। यहां से मोबाइल लोकेशन व कंपनी से ली गई डिटेल के आधार पर आरोपी को विकासपुरी से पकड़ लिया।

यमुना बाजार में चला बुलडोजर, सैकड़ों परिवार हुए बेघर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार सुबह से ही दिल्ली नगर निगम ने तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसके चलते सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर हो गए हैं। निगम बोध घाट के पास अनधिकृत निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इस इलाके में रहने वाले पीड़ितों ने बताया कि यहां लगभग 310 मकान हैं, जिनमें तकरीबन 1100 लोग रहते हैं। इनमें से अधिकांश मकान पक्के हैं, जिन्हें अब ढहाया जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को ही बताया था कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने कश्मीरी गेट इलाके के यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को घर खाली करने का नया नोटिस जारी किया था। नोटिस में इलाके के घाट नंबर 2 से 32 के बीच रहने वाले लोगों से कहा गया था कि वे अपनी मर्जी से जगह खाली कर दें, अन्यथा तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के बाद कई परिवार पहले ही अपने घरों को खाली कर यहां से जा चुके हैं, जबकि अब भी कई लोग वहीं रह रहे हैं, कार्रवाई को लेकर उनमें भय का माहौल देखने को मिला। घरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। यहां रहने वाले लोगों का आरोप है कि उनके पानी के कनेक्शन पहले ही काट दिए गए थे, और उन्हें बुधवार रात तक घर खाली करने को कहा गया था। ऐसे में कुछ लोगों ने अपना सामान हटा लिया है, लेकिन कई परिवार अभी भी अपनी जगह पर डटे हुए हैं। स्थानीय निवासी गणेश ने बताया कि यहां से हटाए जाने वाले लोगों के लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अस्थायी आश्रयों में रहने का विकल्प दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया, यह कहां का न्याय है? हमारे घर उजाड़कर नाइट शेल्टर में रहने को मजबूर किया जा रहा है। यमुना घाट पंडा एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि वे इस मामले में कोर्ट का रुख कर चुके हैं, और ध्वस्तीकरण के लिए कोर्ट का कोई आदेश नहीं है, फिर भी उन्हें हटाया जा रहा है।

कर्नाटक में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी, एमडीएमए और गांजे समेत पांच गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की और गैर-कानूनी रूप से बेचे जा रहे एमडीएमए और गांजे को जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जानकारी के मुताबिक शिवमोग्गा पुलिस ने रागीगुड्डा चैनल अर्दन रोड के पास छापा मारा और अजहर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से करीब 15 ग्राम एमडीएमए नशीला पदार्थ, एक मोबाइल और नकदी जब्त की। जब्त किए गए एमडीएमए और गांजे की कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए है। आनंदापुरा पुलिस स्टेशन ने सागर-आनंदापुरा रोड पर एक ऑपरेशन चलाया और मुज्जू और हफीजुल्ला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 95 ग्राम गांजा और एक बाइक बरामद की। इसी तरह सागर टाउन पुलिस ने अरालिकोप्पा लेआउट क्रॉस के पास छापा मारकर अल्ताफ और अकबर को गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब 330 ग्राम गांजा और 4 लाख कीमत की एक कार जब्त की। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले अप्रैल में बेंगलुरु सिटी पुलिस ने शहर में चलाए गए कई समन्वित अभियानों में 16 लोगों को गिरफ्तार किया था और करीब 36.67 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार विदेशी नागरिक, आठ अन्य राज्यों से आए व्यक्ति और चार स्थानीय लोग शामिल थे।

मोहर्रम के मौके पर मुस्लिमों ने लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ के अलीगंज कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड का दर्द कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस हादसे में 15 लोगों की जिंदगियां खत्म हो गईं। बुधवार को मोहर्रम के मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अग्निकांड के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर मृतकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा भी मौजूद रहीं। बुधवार को मुहर्रम के मौके पर लखनऊ में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलीगंज अग्निकांड में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल हुए। ये सभी लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर पहुंचे थे, जहां उन्होंने मृतकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर हादसे में जान गंवाने वालों को याद किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में काफी भावुक माहौल देखने को मिला। इस कार्यक्रम में सपा नेता सुमैया राणा ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई और फूल अर्पित किए। लोगों ने सरकार से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की और कहा कि सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए ताकि फिर से ऐसी कोई दर्दनाक घटना न हो सके। इसके साथ ही उन्होंने इस हादसे के ज़िम्मेदार लोगों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बता दें 22 जून को लखनऊ के अलीगंज में एक कोचिंग सेंटर में अचानक आग लग गई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद बिल्डिंग को लेकर कई नियमों के उल्लंघन और लापरवाही की बात सामने आई थी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए, बड़ा हादसा टला

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद हवाई अड्डे परन 'पार्किंग बे' की ओर जाते समय एअर इंडिया का एक विमान गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे वह इंडिगो के एक विमान के सामने आ गया। हालांकि दोनों विमान एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी पर रुक गए। सूत्रों ने बताया कि मुंबई जा रहा इंडिगो का विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एअर इंडिया का विमान गलत दिशा में मुड़ गया और वह उसी टैक्सीवे पर आ गया, जिस पर इंडिगो का विमान खड़ा था। सूत्रों के मुताबिक टैक्सीवे पर दोनों विमान समय रहते एक-दूसरे से करीब 200 मीटर की सुरक्षित दूरी पर रुक गए। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि हमें उस घटना की जानकारी है, जिसमें 24 जून को मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली हमारी एआई 2493 उड़ान लैंडिंग के बाद 'पार्किंग बे' की तरफ जाते समय अनजाने में गलत रास्ते पर मुड़ गई थी। विमानन कंपनी ने कहा कि विमान में सवार यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। उसने बताया कि बाद में विमान को सुरक्षित रूप से 'पार्किंग बे' में ले जाया गया। एअर इंडिया ने कहा कि नियामक प्राधिकरण को मामले की जानकारी दे दी गई है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बागियों की सांसदी पर जल्द लेंगे फैसला

दो-तिहाई बहुमत का नियम अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जल्द ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों के दल-बदल मामले में अपना महत्वपूर्ण फैसला सुना सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र से पहले स्पीकर इस पर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, जिसका भारतीय राजनीति पर गहरा असर पड़ सकता है। स्पीकर ने दोनों मूल पार्टियों और उनके बागी गुटों के प्रतिनिधिमंडलों से पहले ही मुलाकात कर ली है ताकि सभी पक्षों को सुना जा सके। संसद से जुड़े कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञ इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि लिया गया निर्णय कानूनी रूप से पूरी तरह सही हो, दल-बदल विरोधी कानून से जुड़े पुराने मामलों और मिसालों की भी गहन समीक्षा की जा रही है।

टीएमसी के मामले में, पार्टी ने 2024 के आम चुनाव में लोकसभा की 29 सीटें जीती थीं, जिनमें से एक सांसद के निधन के बाद फिलहाल एक सीट खाली है। पार्टी के 20 सांसदों ने बगावत करते हुए पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित एक रजिस्टर्ड लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का दामन थाम लिया है। इन बागियों ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। इसके साथ ही इन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन जताते हुए एनडीए में शामिल होने की इच्छा भी जाहिर की है। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के बागी गुट के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा है। बनर्जी ने इन 20 बागियों को अयोग्य ठहराने के लिए स्पीकर को अलग-अलग याचिकाएं भी सौंपी हैं, जिसमें दल-बदल विरोधी कानून के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के मामले में भी ऐसी ही स्थिति है। शिवसेना (यूबीटी) के टिकट पर 9 सांसद चुने गए थे, जिनमें से 6 सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई और अरविंद सावंत ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और संविधान के प्रावधानों को बनाए रखने की अपील की। उद्धव गुट के नेताओं ने स्पीकर से शिंदे गुट में शामिल होने वाले 6 बागी सांसदों द्वारा दिए गए किसी भी लिखित ज्ञापन की कॉपी मांगी। इस पर स्पीकर ने उन्हें बताया कि बागी सांसदों की तरफ से अभी तक उन्हें लिखित में कुछ भी नहीं मिला है। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने स्पीकर से दल-बदल विरोधी कानून के तहत अपने बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। दोनों पार्टियों का तर्क है कि दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता से संरक्षण केवल तभी मिलता है, जब पूरी राजनीतिक पार्टी के कम से कम दो-तिहाई हिस्से का किसी दूसरी पार्टी में विलय हो, न कि केवल विधायकों या सांसदों के एक समूह का। अभिषेक बनर्जी ने स्पष्ट किया कि केवल विधायकों या सांसदों के एक समूह के विलय को कानूनी रूप से मान्यता नहीं दी जा सकती। वहीं अनिल देसाई ने भी जोर देकर कहा कि 10वीं अनुसूची बिल्कुल स्पष्ट है कि किसी भी विधायक दल का कोई समूह अपने आप किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकता, भले ही उनके पास दो-तिहाई बहुमत ही क्यों ना हो। लोकसभा सचिवालय आगामी मॉनसून सत्र के लिए सांसदों के बैठने की नई व्यवस्थाओं का आकलन कर रहा है। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के बागी गुटों के अलावा, डीएमके ने भी संसद में कांग्रेस से अलग बैठने की मांग की है। दरअसल, डीएमके ने कांग्रेस के साथ अपना पुराना गठबंधन खत्म कर लिया है और अब मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन कर लिया है। यह स्थिति संसद के भीतर राजनीतिक समीकरणों और बैठने की व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है।

वेनेजुएला भूकंप : पीएम मोदी ने दुख जताया, कहा- हर संभव मदद करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के उत्तरी तट पर गुरुवार को आए भीषण भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई, जिसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए भारत की ओर से हरसंभव मदद का ऐलान किया है। 7.5 तीव्रता के इस शक्तिशाली भूकंप ने राजधानी कराकास में दहशत फैला दी, जहां कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ ढह गईं। भूकंप के झटके इतने तीव्र थे कि लोग अपने घरों और दफ्तरों से निकलकर सड़कों पर आ गए, अपने परिवारों और पालतू जानवरों को बचाने का प्रयास करते हुए देखा गया। घटना के बाद सामने आए वीडियो में इमारतों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखाया गया, जिनमें से कई झुक गईं, जिससे उनके भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी वेनेजुएला के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए मदद का ऐलान किया है, और देश को नया दोस्त बताया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, मुख्य भूकंप की तीव्रता 7.5 मापी गई, जबकि इससे ठीक 40 सेकंड पहले 7.2 तीव्रता का एक फोरशॉक भी महसूस किया गया था। भूकंप का केंद्र मोंटालबान से लगभग 28 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था, जो वेनेजुएला की कई महत्वपूर्ण तेल रिफाइनरियों के निकट है। शुरुआत में अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने प्यूर्टो रिको और वर्जिन आइलैंड्स सहित आसपास के इलाकों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया था, लेकिन बाद में स्थिति की समीक्षा के बाद इस चेतावनी को वापस ले लिया गया, जिससे सुनामी का खतरा टल गया। सोशल मीडिया पर कराकास की इमारतों के ढहने और दीवारों के टूटने के दृश्य सामने आए, जिससे कई इलाकों में धूल का गुबार छा गया। हालांकि अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है, बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

अब बिना रजिस्ट्रेशन कुत्ता रखना व नियमों के उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

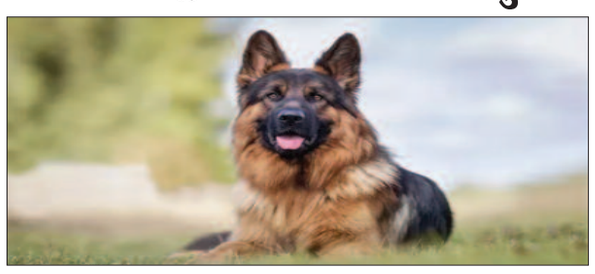

-कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं के चलते गुरुग्राम नगर निगम एक्शन में

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है। अब यहां बिना रजिस्ट्रेशन कुत्ता रखने वालों पर प्रशासन सख्त एक्शन लेगा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने पालतू कुत्तों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन और नियंत्रण को लेकर आदेश जारी किए हैं। अब बिना रजिस्ट्रेशन के कुत्ता रखना नियमों का उल्लंघन होगा और इसके लिए भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पालतू कुत्तों के मालिक नगर निगम के ऑनलाइन पोर्टल या नागरिक सुविधा केंद्रों पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ मालिक का आईडी प्रूफ, कुत्ते की फोटो और सबसे जरूरी रेबीज वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट जमा करना होगा। सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन कराना काफी नहीं होगा, समय-समय पर इसे रिन्यू-अपडेट भी कराना होगा। नगर निगम ने निर्देश दिया है कि शौक अपनी जगह है, लेकिन जनता की सुरक्षा सबसे पहले है। इसके लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की गई हैं। सड़कों, पार्कों, ग्रीन बेल्ट या बाजारों में कुत्ते को खुला नहीं छोड़ा जा सकेगा। घर से बाहर निकलते ही पट्टा बांधना जरूरी होगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कुत्ते के मल-मूत्र को साफ करने की पूरी जिम्मेदारी मालिक की होगी। रेबीज समेत सभी जरूरी टीके समय पर लगवाने होंगे। वहीं, अगर आपका कुत्ता किसी को नुकसान पहुंचाता है या हमला करता है, तो पूरी कानूनी जिम्मेदारी मालिक की होगी। ?भारत सरकार की ओर से बताए गए खतरनाक और आक्रामक नस्लों- जैसे पिटबुल टेरियर, रॉटवीलर, डोगो अर्जेंटीनो, केन कोर्सो, अकिता और मास्टिफ के लिए निगम ने और भी सख्त रुख अपनाया है। इन ब्रीड्स के कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों पर ले जाते समय गले में पट्टे के साथ-साथ मुंह पर सुरक्षा कवर लगाना अनिवार्य किया गया है।

एमडीडीए का बड़ा एक्शन: ऋषिकेश में नियमों को ताक पर रखकर हो रहा अवैध व्यावसायिक निर्माण सील

आरव शर्मा
देहरादून/ऋषिकेश (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निमार्णों और नियमों के विपरीत विकसित की जा रही परियोजनाओं के खिलाफ अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। इसी क्रम में गुरुवार को एमडीडीए की टीम ने ऋषिकेश क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्शे के विपरीत बन रहे एक विशाल व्यावसायिक निर्माण को सील कर दिया। प्राधिकरण ने दो टूक स्पष्ट कर दिया है कि विकास क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनियमितता और मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नक्शे और सेटबैक नियमों की उड़ी धज्जियां

प्राधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार, ऋषिकेश में मेन हरिद्वार रोड पर भरत विहार के निकट (स्थल- रूद्र ऑटोमोबाइल) उपेन्द्र कुमार द्वारा एक व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा था। जब एमडीडीए की टीम ने मौके की जांच की, तो पाया गया कि निर्माण कार्य एमडीडीए से स्वीकृत नक्शे (मानचित्र) के बिल्कुल विपरीत किया जा रहा था। हद तो यह थी कि निर्माण में अनिवार्य सेटबैक क्षेत्र को भी कवर कर लिया गया था, जो भवन निर्माण के तय मानकों का सीधा और खुला उल्लंघन है।

चेतावनी के बाद भी नहीं किया सुधार

अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान संबंधित पक्ष को पूर्व में भी नियमों का पालन करने और निर्माण में सुधार लाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद जब निर्माणकर्ता ने कोई सुधार नहीं किया और मनमानी जारी रखी, तो एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने अभियंताओं और संबंधित अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की और अवैध निर्माण को सील कर दिया। एमडीडीए ने चेतावनी दी है कि देहरादून और ऋषिकेश सहित पूरे प्राधिकरण क्षेत्र में बिना अनुमति के कमर्शियल निर्माण, अवैध प्लाटिंग और स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण कार्यों पर पैनी नजर रखी जा रही है। ऐसी अनदेखी पकड़े जाने पर बिना किसी देरी के सीधी प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।

सुनियोजित और सुरक्षित शहरी विकास है प्राथमिकता: एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने इस कार्रवाई पर कहा कि प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य केवल सीलिंग करना नहीं है, बल्कि शहर का सुनियोजित और सुरक्षित विकास सुनिश्चित करना है। स्वीकृत नक्शे से हटकर निर्माण करना और सेटबैक जैसी अनिवार्य व्यवस्थाओं का उल्लंघन करना न केवल गैर-कानूनी है, बल्कि यह आम नागरिकों की सुरक्षा और शहर के संतुलित विकास पर भी बुरा असर डालता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अवैध निर्माण और नियम विरुद्ध व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा। उन्होंने सभी नागरिकों और भवन स्वामियों से अपील की है कि वे किसी भी निर्माण से पहले निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन करें।

नियम तोड़ने वालों पर होगी विधिक कार्रवाई: एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया

प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि एमडीडीए की प्रवर्तन टीम लगातार क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर रही है। जहां कहीं भी स्वीकृत मानचित्र से विचलन, सेटबैक का अतिक्रमण या अन्य किसी भी निर्माण नियम का उल्लंघन पाया जाएगा, वहां सीधे सीलिंग और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी निर्माणकताओं से अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए नियमों का पालन करने का अनुरोध किया है।

गलतफहमी हुई...बयान शिवराज सिंह या कार्तिकेय चौहान के बारे में नहीं था

-मानहानि मामले में राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर किया खेद व्यक्त

जबलपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आठ साल पुराने मानहानि मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह पर बयान देने के लिए खेद व्यक्त किया है। राहुल की तरफ से इस संबंध में कोर्ट में लिखित रूप से आवेदन दिया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से पेश वकील ने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें राहुल गांधी अपने बयान पर खेद जताया है। उनहोंने कहा कि यह बयान गलतफहमी में दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर कार्तिकेय से जवाब मांगा है और कहा है कि उनकी तरफ से लिखित प्रतिक्रिया कोर्ट में पेश की जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले से चल रहा है, जहां राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज है। कोर्ट ने इस मामले में पहले ही समन भी जारी कर दिया था। यह मुकदमा शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने 2018 के चुनावी भाषण में पनामा पेपर्स लीक से जुड़े बयान में उनका नाम लिया था। इसी बयान को लेकर यह मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। अब इस मामले पर अगली सुनवाई फिर से होगी।

राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस बयान के आधार पर मानहानि का मामला दर्ज किया गया है, वह मध्य प्रदेश के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान या उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के बारे में नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बयान को लेकर गलत समझ पैदा हुई है और इसे शिकायतकर्ता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह मामला साल 2018 के विधानसभा चुनाव प्रचार का है, जब राहुल गांधी ने झाबुआ में एक जनसभा को संबोधित किया था। कार्तिकेय का आरोप है कि उस भाषण में राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स का जिक्र करते हुए ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। इस आरोप के आधार पर भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया गया था और कोर्ट ने समन जारी किया था।

भारतीय विमान के पाकिस्तान सीमा पार करने पर जांच तेज

-नई दिल्ली से उड़ा था विमान रास्ता भटक अमृतसर की जगह पहुंचा पाकिस्तान

-पाक एयर ट्रैफिक कंट्रोल की चेतावनी के बाद लौटा था, पायलट पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खराब रिश्तों की वजह से आमतौर पर दोनों देशों ने विमानों के लिए हवाई क्षेत्र के दरवाजे बंद हैं, सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर के लिए निकला एयर इंडिया का विमान एआई-321 अपने रास्ते से भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंच गया। इसके बाद पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इसे चेतावनी देकर वापस लौटने को कहा। इस मामले की जांच तेज हो गई है और संभावना जताई जा रही है कि पायलट पर एक्शन लिया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया का विमान ने सोमवार को रात नई दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन रास्ता भटककर यह पाकिस्तान पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक पायलट को पाकिस्तान पहुंचने की जानकारी तब मिली, जब कंट्रोल सिस्टम पर पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी आई। इसके बाद स्थानीय एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को दिल्ली लौटने का निर्देश दिया। इसके बाद विमान दिल्ली लौट आया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक विमान में उड़ाने के दौरान नेवीगेशन सिस्टम में खराबी आ गई थी। इसलिए यह रास्ता भटक गया। एयरपोर्ट अधिकारी के मुताबिक विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में करीब डेढ़ मील तक अंदर चला गया था। उन्होंने इसे छोटी घटना बताते हुए कहा कि यह असामान्य नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान से वापस आते समय विमान को अमृतसर में ही क्यों नहीं रोका? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वापस आते समय विमान स्टेबलाइज नहीं हो सका था इसलिए इसे वापस भेज दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पायलट को भारतीय सीमा के भीतर ही प्वाइंट पर चक्कर लगाने के लिए कहा गया था, लेकिन पायलट ने विमान को लगातार आगे बढ़ाना जारी रखा और फिर बाईं ओर मुड़ गया। इसकी वजह से वह पाकिस्तान पहुंच गया। इस घटना के सामने आने के बाद एयरलाइंस ने जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही पायलट को भी ड्यूटी रोस्टर से हटा दिया गया है। बता दें, भारत और पाकिस्तान के बीच असामान्य रिश्तों की वजह से दोनों देशों के बीच में हवाई संपर्क नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर पाबंदी है, जिसकी वजह से दोनों देशों के विमानों को लंबा रास्ता तय करके जाना पड़ता है।

25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। इमरजेंसी की 51वीं सालगिरह पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे देश के लिए काला अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को चोट पहुंचाई गई और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वालों को यातनाएं सहनी पड़ीं। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरजेंसी को याद किया। उन्होंने लिखा- 25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब आपातकाल थोप कर देश की संवैधानिक आत्मा को कुचलने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ता के अहंकार में कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल के अंधकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व नागरिक अधिकारों को गहरी चोट पहुंचाई। उस कठिन दौर में कठोर यातनाएं सहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन।

वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट में लिखा- भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून, 1975 वह काला दिन है, जब पीएम इंदिरा गांधी ने 'सत्ता के अहंकार' में चूर होकर देश पर आपातकाल थोपा था। इसके जरिए उन्होंने संविधान को अपने शिकंजे में कसकर जनता के मूलभूत अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर जमकर प्रहार किया। उन्हें गहरी चोट पहुंचाई। 'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है, जब असहमति की आवाज़ों को कुचला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और लोकतंत्र सेनानियों को बेरहमी से जेलों की सलाखों के पीछे डाल दिया गया।

यह आपातकाल कांग्रेस की 'तानाशाही मानसिकता' का नतीजा था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए तब की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अडिग रहकर संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का साहस, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस काले दौर का डटकर मुकाबला करने वाले उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को बारंबार कोटि-कोटि नमन!

डीएम ने सुनी जनता की समस्याएं, संबंधित विभागों को त्वरित कार्यवाही के दिए आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर जनता की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई जनसेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हम सभी को नियमों एवं शासनादेशों का पालन करते हुए मानवीय संवेदनाओं के साथ जनहित में कार्य करना चाहिए। जिलाधिकारी ने शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, जरूरतमंद एवं पीड़ित व्यक्तियों की मानवीय आधार पर सहायता, अवैध कब्जों एवं भूमाफियाओं के विरुद्ध प्रभावी अभियान तथा ह्लगरीब का गृह प्रवेशह्व जैसे जनकल्याणकारी प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव जनपद में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पात्र व्यक्तियों को शीघ्र न्याय मिलने से आमजन का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास निरंतर सुदृढ़ हो रहा है।

जनता दर्शन में नागरिकों की बढ़ती सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि लोगों का प्रशासन की संवेदनशील एवं जवाबदेह कार्यप्रणाली पर भरोसा बढ़ा है। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने कई मामलों का मौके पर ही

निस्तारण कराया तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पटेल नगर निवासी एक महिला ने कुछ दिन पूर्व अपने घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण छबीलदास स्कूल में अध्ययनरत अपने पोतों की फीस माफी के लिए जिलाधिकारी से अनुरोध किया था। जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता एवं परिवार की परिस्थितियों को देखते हुए तथा बच्चों की शिक्षा बाधित न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। परिणामस्वरूप महिला के पोतों की एक वर्ष की विद्यालय शुल्क माफ कराई गई। महिला ने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन), सिटी मजिस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 अभियुक्त को थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 2 अभियुक्त प्रशांत चौहान और सौनम सिंह को थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं इनसे एक अन्य अभियुक्त अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाना लोनी बॉर्डर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी मोटरसाइकिल अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के

खुलासे के लिए टीमों का गठन किया गया, जिसने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान की। पुलिस में चेकिंग के दौरान 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और इनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। उन्होंने बताया कि इनके खिलाफ कई जिलों में आपराधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने 19 जून 2026 को गोपाल हॉस्पिटल के सामने से मौका पाकर मोटरसाइकिल चोरी की थी। चोरी के बाद वह वाहन को छिपाकर रखे देते थे और उसे बेचने की फिराक में लग जाते थे। जैसे ही मौका लगता था तो चोरी के वाहन को बेच दिया करते थे।

850 खिलाड़ियों की सहभागिता के साथ यूपी स्टेट वुशु टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यूपी स्टेट वुशु टूनार्मेंट का गुरुवार को एमएस फार्म हाउस, शामली में भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लगभग 850 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा रहे। विशिष्ट अतिथियों में व्यापार मंडल के पदाधिकारी अंकित गोयल, भाजपा जिला मंत्री सुखचैन वालिया, अनुराग शर्मा, हर्ष निर्वाल, अभिनव निर्वाल तथा प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी अश्वनी त्यागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वुशु एसोसिएशन के अध्यक्ष सुहेल अहमद एवं स्टेट सेक्रेटरी मनीष कक्कड़ ने सभी अतिथियों का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि सुरेश राणा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेल भावना, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का

आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के माध्यम से अपने जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। आयोजन के सफल संचालन में राज विपिन, जिला वुशु संघ शामली के सचिव आकाश चौधरी, विपिन देव (क्रीड़ा भारती), गोपाल तथा अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता की सफलता तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टूनार्मेंट के शुभारंभ के साथ ही विभिन्न आयु वर्गों की प्रतियोगिताएं प्रारंभ हो गईं, जिनमें खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खेल प्रेमियों और अभिभावकों की भी अच्छी उपस्थिति रही।

पिछड़ा वर्ग सशक्तिकरण को लेकर आयोग ने मांगे सुझाव, हापुड़ में जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग ने पिछड़ा वर्ग को आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान आयोग ने ग्राम प्रधानों, जिला पंचायत सदस्यों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा अन्य नागरिकों से विभिन्न सुझाव प्राप्त किए। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रामौतार सिंह तथा सदस्य बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, अरविंद कुमार चौरसिया एवं एस.पी. सिंह का गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने आयोग के सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, प्रमुख क्षेत्र पंचायत गढ़मुक्तेश्वर, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा जनपद के चारों विकास खंडों के ग्राम प्रधानों ने भाग लिया। जनप्रतिनिधियों ने पिछड़ा वर्ग के आर्थिक उत्थान, शिक्षा, सामाजिक भागीदारी, राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा शासकीय सेवाओं में उनकी स्थिति को मजबूत बनाने के संबंध में अपने सुझाव आयोग के समक्ष रखे। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने प्राप्त सुझावों को सुरक्षित रखते हुए भविष्य की कार्ययोजना के लिए महत्वपूर्ण बताया। बैठक के उपरांत आयोग की टीम ने विकास खंड हापुड़ की शाहपुर जट्ट ग्राम पंचायत का भ्रमण कर स्थानीय परिस्थितियों का भी जायजा लिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला सूचना अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा सभी खंड विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में बैनामा लेखकों का धरना 15वें दिन भी जारी, सांसद राजकुमार सांगवान ने दिया समर्थन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बैनामा की ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में तहसील मुख्यालय पर बैनामा लेखक संघ का धरना गुरुवार को 15वें दिन भी जारी रहा। धरने के दौरान बागपत-मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान भी पहुंचे और धरना दे रहे बैनामा लेखकों की समस्याओं को सुना। प्रदेश सरकार की प्रस्तावित ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में बैनामा लेखक संघ लगातार आंदोलन कर रहा है। इसके चलते तहसील में बैनामों का कार्य पूरी तरह प्रभावित है। इस आंदोलन को बार एसोसिएशन मोदीनगर का भी समर्थन प्राप्त है। धरना स्थल पर

पहुंचे सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने बैनामा लेखक संघ और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से विस्तार से बातचीत की। इस दौरान बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सांसद को सौंपा। सांसद ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों और समस्याओं को प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी वर्ग के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। धरने में बैनामा लेखक संघ के अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, प्रदीप शर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता रणबीर दहिया, सोहनवीर नेहरा, जगबीर सिंह, नकुल त्यागी, राजकुमार गुप्ता तथा उत्तम त्यागी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में पीएम आवास योजना की समीक्षा: 5 प्रोजेक्ट पूरे, अधूरे ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स 30 सितंबर 2026 तक तैयार करने का अल्टीमेटम

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 'सभी के लिए किफायती आवास' घटक के अंतर्गत बन रहे ईडब्ल्यूएस फ्लैटों के निर्माण की समीक्षा के लिए प्राधिकरण सचिव ने निजी विकासकताओं (बिल्डर्स) के साथ अहम बैठक की। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्माण और विकास कार्य से जुड़े सभी अधूरे प्रोजेक्ट हर हाल में 30 सितंबर 2026 (मिशन अवधि) से पहले पूरे कर लिए जाएं।

निजी बिल्डरों के 5 और जीडीए के सभी 5 प्रोजेक्ट पूरे

बैठक में जानकारी दी गई कि निजी विकासकताओं की कुल 11 स्वीकृत परियोजनाओं में से 5 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा 3 अन्य परियोजनाओं के पूर्णता प्रमाण-पत्र (कंप्लीशन सर्टिफिकेट) प्राप्त होने की प्रक्रिया में हैं। वहीं, जीडीए द्वारा विकसित की जा रही 5 परियोजनाओं के तहत सभी भवनों का निर्माण कार्य पूरी तरह खत्म हो चुका है। सचिव ने बाकी बचे निजी प्रोजेक्ट्स को भी जल्द पूरा कर लाभार्थियों को समय पर घर सौंपने पर विशेष जोर दिया है।

जल्द शुरू होगी रजिस्ट्री और पजेशन की प्रक्रिया

प्राधिकरण की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि जिन परियोजनाओं को कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिल चुका है, वहां पात्र आवंटियों की जल्द से जल्द रजिस्ट्री (पट्टा विलेख) कराकर उन्हें फ्लैट्स का कब्जा (पजेशन) दिया जाए। इसके अलावा डूडा स्तर पर लंबित एमआईएस एंट्री और अन्य औपचारिकताओं को भी तुरंत पूरा करने को कहा गया है, ताकि बचे हुए आवासों के लिए नई योजना प्रकाशित कर उनका आवंटन सुनिश्चित किया जा सके।

बकाया जमा कराकर काम में लाई जाए तेजी

सचिव ने निजी बिल्डरों से लाभार्थियों द्वारा अब तक जमा की गई धनराशि का पूरा ब्योरा तलब किया है। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि आवंटियों से बकाया राशि जमा कराकर रजिस्ट्री की प्रक्रिया को तेज किया जाए। प्राधिकरण का स्पष्ट रुख है कि पीएम आवास योजना के तहत बने प्रत्येक फ्लैट का समयबद्ध आवंटन और लाभार्थियों को पजेशन देना शासन और जीडीए की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस लक्ष्य को हासिल करने और पात्र लोगों को जल्द से जल्द उनके सपनों का घर उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण द्वारा लगातार मॉनिटरिंग और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

मानक पूरे न करने पर बुढ़ाना में दो बैंक्वेट हॉल व दो लाइब्रेरी सील

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार के निर्देश पर अवैध एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर संचालित संस्थानों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा ने पुलिस बल के साथ कस्बे में औचक निरीक्षण कर मानक पूरे न करने वाले दो बैंक्वेट हॉल और दो लाइब्रेरी को सील कर दिया।

निरीक्षण के दौरान हिंडन नदी पुल के पार स्थित फैज गार्डन और रोज गार्डन बैंक्वेट हॉल में आवश्यक सुरक्षा एवं विभागीय मानकों की कमी पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। इसके अलावा चरण सिंह तिराहा स्थित एक लाइब्रेरी तथा दयानंद स्कूल के निकट संचालित दूसरी लाइब्रेरी को भी निर्धारित मानकों का पालन न करने के कारण बंद करा दिया गया।

एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा ने कहा कि बिना वैध अनुमति और आवश्यक सुरक्षा मानकों के विपरीत संचालित होने वाले किसी भी संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने संचालकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे संस्थानों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रूप से संचालित संस्थानों में हड़कंप मच गया है। वहीं, अन्य संस्थान संचालकों ने भी अपने प्रतिष्ठानों में सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक मानकों की समीक्षा शुरू कर दी।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ पालिका का अभियान, कई दुकानों पर जुमार्ना

मुरादनगर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाते हुए नेशनल हाईवे से सटे व्यावसायिक क्षेत्रों में सघन जांच की। अभियान के दौरान कई दुकानों पर प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग और भंडारण पाए जाने पर पालिका टीम ने पॉलिथीन जब्त कर संबंधित दुकानदारों पर एक-एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया।

सफाई एवं खाद्य निरीक्षक शमशाद अहमद ने बताया कि शासन के निदेर्शों के अनुपालन में यह अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति या व्यापारी प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दुकानदारों और आम नागरिकों से कपड़े, जूट तथा कागज के थैलों का उपयोग करने की अपील की। उनका कहना था कि प्लास्टिक की थैलियां नालियों और सीवर लाइनों के जाम होने का प्रमुख कारण बनती हैं, जिससे जलभराव और गंदगी की समस्या बढ़ती है। साथ ही खुले में फेंकी गई पॉलिथीन खाने से गौवंश सहित अन्य पशुओं के स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। पालिका प्रशासन ने नागरिकों से बाजार जाते समय अपना थैला साथ लेकर जाने और प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त शहर के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दादरी की बेटी महामेधा नागर को भाजपा उत्तर प्रदेश का प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर क्षेत्र में हर्ष की लहर

गौतमबुद्ध नगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दादरी की बेटी एवं युवा महिला नेतृत्व की सशक्त पहचान महामेधा नागर को भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश का प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने पर पूरे गौतमबुद्ध नगर, विशेषकर दादरी क्षेत्र में हर्ष और गर्व का वातावरण है। यह नियुक्ति केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि क्षेत्र की प्रतिभा, महिलाओं की भागीदारी और युवा नेतृत्व के प्रति पार्टी के विश्वास का प्रतीक है।

महामेधा नागर ग्राम अच्छेजा, जनपद गौतमबुद्ध नगर के एक शिक्षित एवं संस्कारित परिवार से आती हैं। उनके दादा-दादी शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित नाम रहे हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से अंग्रेजी ऑनर्स में स्नातक, फैकल्टी ऑफ लॉ से एलएलबी तथा पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में परास्नातक की शिक्षा प्राप्त की है।

छात्र जीवन से ही सामाजिक और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय रहीं महामेधा नागर ने वर्ष 2017-18 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशी के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (DUSU) के सचिव पद पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए सैनिटरी पैड पर टैक्स हटाने के अभियान का नेतृत्व किया, जिसके कारण उन्हें "दिल्ली की पैड वुमन" के नाम से भी पहचान मिली।

महामेधा नागर ने युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व अमेरिका, थाईलैंड सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किया तथा

सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए वठएरउड, रअअफ्ठ सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

गुर्जर समाज सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए महामेधा नागर एक प्रेरणादायी युवा चेहरा हैं। उनकी संगठनात्मक क्षमता, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। भाजपा उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से गुर्जर समाज को दो प्रतिनिधित्व मिले हैं, जिनमें महामेधा नागर का नाम शामिल हैं।

यह नियुक्ति प्रदेश की बेटियों, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत है। दादरी की बेटी महामेधा नागर ने अपने परिश्रम, संघर्ष और समर्पण से यह सिद्ध किया है कि सेवा और संस्कार के मार्ग पर चलने वाले कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी सदैव सम्मान और अवसर प्रदान करती है।

क्षेत्रवासियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि महामेधा नागर अपने नए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगी तथा प्रदेश के युवाओं, महिलाओं एवं समाज के वंचित वर्गों की आवाज को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगी।

हिट एंड रन मामले में मृतक परिवार को मिला ₹2 लाख का मुआवजा, मेरठ मंडल का पहला मामला

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे-9 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में केंद्र सरकार की हिट एंड रन क्षतिपूर्ति योजना के तहत मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये का मुआवजा प्रदान किया गया है। यह मेरठ मंडल का पहला मामला माना जा रहा है, जिसमें इस योजना के अंतर्गत प्रतिकर राशि स्वीकृत कर वितरित की गई है। जानकारी के अनुसार 5 सितंबर 2024 को थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव सिखैड़ा के पास एक अज्ञात वाहन ने मुरादाबाद जनपद के थाना बिलारी क्षेत्र स्थित नौसेना स्योडारा निवासी रामप्रकाश को टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल रामप्रकाश की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने केंद्र सरकार की हिट एंड रन क्षतिपूर्ति योजना के तहत मुआवजे का दावा प्रस्तुत किया। दावा जांच अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा मामले की विस्तृत जांच की गई। 29 सितंबर 2025 को जिला स्तरीय हिट एंड रन समिति की बैठक में प्रकरण प्रस्तुत किया गया। समिति की रिपोर्ट तथा तत्कालीन जिलाधिकारी एवं दावा निपटान आयुक्त अभिषेक पांडेय की संस्तुति के आधार पर मृतक के पुत्र अशोक वीर को दो लाख रुपये की प्रतिकर राशि स्वीकृत की गई। एआरटीओ प्रवर्तन रमेश चौबे ने बताया कि केंद्र सरकार की हिट एंड रन क्षतिपूर्ति योजना के तहत अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मृत्यु होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जबकि गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपये की सहायता राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि मेरठ मंडल में पहली बार इस योजना के तहत मुआवजा स्वीकृत हुआ है तथा दो लाख रुपये का चेक मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया है। यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

बच्चों के विवाद में भाई बना भाई का हत्यारा, सोते समय लोहे की रॉड से किया जानलेवा हमला

बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव बेगावाला में बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने ऐसा भयावह रूप ले लिया कि एक छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई की हत्या कर दी। घटना से गांव में शोक और दहशत का माहौल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव बेगावाला निवासी मोहम्मद सलीम (32) की उसके छोटे भाई नदीम ने कथित रूप से सोते समय लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बच्चों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी और विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर

परिवार में तनाव बना हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात के समय जब मोहम्मद सलीम घर में सो रहे थे, तभी नदीम ने उन पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ वार कर दिए। सिर पर गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बाद आरोपी नदीम फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

Gaur & Associates
CHARTERED ACCOUNTANTS

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

The Members

Noble Co-operative Bank Limited

Report on the Audit of the Standalone Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying standalone financial statements of Noble Co-operative Bank Limited ("the Bank"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2026, the Statement of Profit and Loss for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information (hereinafter referred to as "the standalone financial statements"). These standalone financial statements incorporate the returns of the Head Office and five branches, audited by us.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid standalone financial statements give the information required by the Banking Regulation Act, 1949, in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Bank as at 31st March 2026, and its profit for the year ended on that date subject to memorandum of changes.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Standalone Financial Statements* section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the Code of Ethics issued by the ICAI, together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the standalone financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Key Audit Matters

Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the standalone financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the standalone financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters. We have determined the matters described below to be the key audit matters to be communicated in our report.

1. Related party transactions have not been disclosed in notes to account.

Other Matters

1. In a loan account- Legend Bus Services, the bank has received in lumpsum payment of loan which cover principal and interest both but the branch appropriated it against principal. The impact in the classification and interest is recorded in memorandum of change, annexed to and forming part of this report.
2. In the case of Sangam Traders, the borrower should be classified as NPA and under D2 category instead of Standard Assets.

Management's Responsibility for the Standalone Financial Statements

Management is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the Banking Regulation Act, 1949 complying with Reserve Bank of India guidelines from time to time, applicable Accounting Standards, and for such internal controls as management determines necessary to enable the preparation of the financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors are responsible for overseeing the Bank's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Standalone Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion.

Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with Standards on Auditing will always detect a material misstatement when it exists.

Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with Standards on Auditing, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expression of opinion on the effectiveness of the Bank's internal controls.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Bank to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

The Balance Sheet and Profit & Loss account have been drawn up in accordance with section 29 of the Banking Regulation Act, 1949.

We report that:

- We have obtained all the information and explanations that to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory;
- The transactions of the Bank which have come to our notice have been within the powers of the Bank.
- The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purpose of the audit.

We further report that:

- The Balance Sheet and the Profit & Loss Account with this Report are in agreement with the books of account.
- In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

Annexure 1

Memorandum of Changes (Summary)

Party	Particulars	Increase	Decrease
Legend Bus Services	In Respect of Assets- Interest Receivables	-	60,322
Legend Bus Services	In Respect of Assets- Advances	60,322	-
Sangam Traders	In Respect of Income	-	45,323
Sangam Traders	In Respect of Assets- Interest receivables	45,323	-
Sangam Traders	In respect of Provision on NPAs	88,076	-

For Gaur & Associates
Chartered Accountants
FRN: 005354C
R.K. Gaur
Partner
Membership No. 072146
UPDIN : 260721460TGBCK3123
Place : Delhi
Date : 24th june 2026

NOBLE CO-OPERATIVE BANK LIMITED

THE THIRD SCHEDULE "FORM A"

Form of Balance Sheet as prescribed by the Reserve Bank of India under Section 29 in the Banking Regulation Act, 1949

Balance Sheet as on 31st March 2026

As at 31.3.2025	CAPITAL AND LIABILITIES	Note No.		As at 31.3.2026	As at 31.3.2025	PROPERTY AND ASSETS	Note No.		As at 31.3.2026
35,390,200.00	**1. CAPITAL:**			**32,233,500.00**	**34,242,267.07**	**1. CASH**	**5**		**50,460,078.07**
100,000,000.00	i) Authorised Capital 10 Lakh.Shares of Rs 100 Each		100,000,000.00		22,532,237.00	i) In hand and with Reserve Bank Of India		45,453,527.00	
35,390,200.00	ii) Subscribed & Paid up Capital 3,22,335 Shares of Rs 100 Each		32,233,500.00		9,564,297.30	ii) State Bank of India		2,861,998.30	
35,390,200.00	iii) Amount Called up 353902 Shares of Rs 100 Each a) Individuals Rs. 35390200 b) Co-operative Institutions Rs. Nil c) State Government Rs. Nil		32,233,500.00		2,145,732.77	iii) Zila Sahkari Bank Ltd.		2,144,552.77	
118,322,258.94	**2. RESERVE FUND AND OTHER RESERVES:**			**119,171,802.58**	**82,918,922.85**	**2. BALANCES WITH OTHER BANKS**	**6**		**79,197,220.26**
40,222,124.96	i) Statutory Reserve		**40,500,000.00**		37,918,922.85	(i) Current Deposits		29,197,220.26	
40,000,000.00	ii) Bad & Doubtful Debts Reserve		40,000,000.00		45,000,000.00	(ii) Fixed Deposits		50,000,000.00	
35,607.78	iii) Building Fund		**200,000.00**						
38,064,526.20	iv) Other funds and Reserves (to be specified)	**1**	38,471,802.58		**-**	**3. MONEY AT CALL AND SHORT NOTICE**		20,000,000.00	**20,000,000.00**
9,972,358.00	a. Special Reserve		9,980,382.00		**160,982,540.00**	**4. INVESTMENTS**	**7**		**167,594,813.00**
83,461.00	b. Education Fund		100,000.00			(i) In Central and State Government securities (at book value)		-	
127,100.00	c. Charity Fund		127,100.00		141,000,000.00	Face value		166,850,000.00	
4,123,881.63	d. Retained Earning		3,918,781.63		120,982,540.00	Book Value		167,094,813.00	
17,498,081.57	e. General Reserve		18,095,158.95		122,091,106.00	Market value		165,081,783.00	
4,500,000.00	f. Investment Fluctuation Reserve		4,500,000.00		-	(ii) Shares in co-operative institutions other than in item (5) below		-	
1,220,627.00	g. Provision on Standard Assets		1,220,627.00		40,000,000.00	(iii) Other investments (to be specified) Non SLR Investment		500,000.00	
5,700.00	h. Nominal Membership Fee		5,750.00		**235,618,970.73**	**5. ADVANCES :**	**8**		**237,802,713.29**
533,317.00	i. Staff Welfare Fund		524,003.00		**53,650,700.68**	**(i) Short-term loans, cash credits, overdrafts and bills discounted of which secured against:**		**39,231,222.02**	
551,886,591.84	**3. DEPOSITS AND OTHER ACCOUNTS**	**2**		**612,096,015.41**	**-**	(a) Government and other approved securities		**-**	
246,530,314.93	**(i) Fixed Deposits & Recurring Deposits**		**289,147,521.75**		53,650,700.68 -	(b) Other tangible securities @ of the advances. Amount due from individuals of the advances, amount overdue Considered bad and doubtful of recovery		39,231,222.02	
243,075,349.93	(a) Individuals**		**285454463.75**		**171,526,409.70**	**(ii) Medium-term loans of which secured against:**		192,299,729.92	
3,454,965.00	(b) Other societies		**3693058.00**		-	(a) Government and other approved securities		0	
214,219,540.13	**(ii) Savings Bank Deposits**		**213,172,908.88**		171,526,409.70 -	(b) Other tangible securities@ of the advances Amount due from individuals of the advances, amount overdue: Considered bad and doubtful of recovery		192,299,729.92	
213,973,155.95	(a) Individuals**		**213,115,112.31**		**10,441,860.35**	**(iii) Long-term loans of which secured against:**		**6,271,761.35**	
246,384.18	(b) Other societies		**57,796.57**		-	(a) Government and other approved securities		-	
91,136,736.78	**(iii) Current Deposits**		**109,775,584.78**		10,441,860.35 -	(b) Other tangible securities@ of the advances, amount due from individuals of the advances Amount overdue: Considered bad and doubtful of recovery		6,271,761.35	
89,516,096.67	(a) Individuals**		**108593860.83**		**47,914,130.24**	**6. INTEREST RECEIVABLE:**	**9**		**64,533,766.74**
1,620,640.11	(b) Other societies		**1,181,723.95**		37,480,022.35	(a) INTEREST RECEIVABLE ON LOANS		55,585,809.26	
2,019,391.65	**4.BILLS FOR COLLECTION BEING BILLS RECEIVABLE As per contra**	**3**		**166,707.33**	10,434,107.89	(B) INTEREST RECEIVABLE ON INVESTMENT		8,947,957.48	
37,480,022.35	**5. OVERDUE INTEREST RESERVE**		55,585,809.26	**55,585,809.26**	**2,019,391.65**	**7. BILLS RECEIVABLE BEING BILLS FOR COLLECTION AS per contra**	**10**		**166,707.33**
-	**6. INTEREST PAYABLE**			**-**	**73,581.30**	**8. BRANCH ADJUSTMENTS**			**201.07**
8,046,780.49	**7. OTHER LIABILITIES**	**4**		**19,165,757.01**	35,417.00	I) Advance against Salary		-	
2,462,717.22	(i) Payorder issued		7,918,013.17		38,164.30	II) ABB	**30**	200.00	
499,085.00	(ii) TDS		275,351.00		**-**	III) Branch Adjustment Difference		1.07	
2,295,839.27	(iii) Other Payables		7,976,133.84		**-**	**9. PREMISES LESS DEPRECIATION**		**-**	**-**
2,789,139.00	(iv) Deferred Tax Liability (DTL)		2,996,259.00		**3,218,249.33**	**10. FURNITURE AND FIXTURES LESS DEPRECIATION**	**11**		**3,118,056.76**
1,055,883.64	**8. PROFIT AND LOSS**			**1,561,110.95**	**7,439,032.94**	**11. OTHER ASSETS (to be specified)**	**12**		**34,500,933.22**
3,817,603.30	Profit as per last balance-sheet		1,055,883.64		**179774042.8**	**12. NON-BANKING ASSETS ACQUIRED IN SATISFACTION of CLAIMS**			**182,606,212.80**
(3,817,603.30)	Less: Carried forward to last balance sheet		(1,055,883.64)						
1,055,883.64	Add: Profit for the year brought forward from the Profit and Loss account		1,561,110.95						
754,201,128.91	**TOTAL**			**839,980,702.54**	**754,201,128.91**	**TOTAL**			**839,980,702.54**

Contingent Liabilities	**31.03.2025**	**31.03.2026**
Liability for L/G	-	-
Other DEAF	3,938,148.96	4,461,890.84

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

For M/s GAUR & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Registration No. 005354C

FOR NOBLE COOPERATIVE BANK LIMITED

	Sd/-	Sd/-	Sd/-	Sd/-	Sd/-
Partner	**CA R.K GAUR**	**R.C Gupta**	**Vishal Bakshi**	**NAIPAL SINGH BHATI**	**A.K DIXIT**
M. No. -	**072146**	**Secretary**	**Chairman**	**Director**	**Director**
UDIN:	**26072146OTGBCK3123**				

Place: Noida
24.06.2026

NOBLE CO-OPERATIVE BANK LTD.

FORM "B"

PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2026

(Fig. in Rs.)

31.03.2025	EXPENDITURE	Note No.	31.03.2026	31.03.2025	INCOME	Note No.	31.03.2026
(Amt. in Rs.)			(Amt. in Rs.)	(Amt. in Rs.)			(Amt. in Rs.)
22,139,435.19	1. Interest On Deposits, Borrowings, Etc.	13	25,297,344.82	57,178,903.28	1. Interest And Discount	26	47,631,241.08
21,155,160.49	2. Salaries, Allowances & Provident Fund	14	22,834,058.88	4,257,925.42	2. Commission, Exchange And Brokerage	27	22,386,958.63
10,502,858.20	3. Rent, Taxes, Insurance, Lighting Etc.	15	10,844,442.13	596,801.81	4. Other Receipts	28	277,153.79
3,677,742.00	4. Law Charges	16	3,688,958.00	5,000,000.00	3. Profit on Sale of Non-Banking Assets	29	-
327,545.93	5. Postage, Telegrams, Telephone Charges	17	357,730.70				
1,784,899.29	6. Depreciation On & Repairs To Property	18	1,553,044.30				
772,272.97	7. Stationery, Printing & Advertisement Etc.	19	468,700.04				
1,496,040.00	8. Travelling & Conveyance	20	732,412.38				
924,705.00	9. Tax Provision/Paid	21	662,315.00				
2,786,097.80	10. Other Expenditure	22	2,131,528.30				
61,599.00	11.Directors & Local Committees Members Fee And Allowances	23	52,080.00				
194,000.00	12. Loss on Sale of Securities	24	-				
155,391.00	13. Auditor's Fee	25	111,628.00				
1,055,883.64	14. Balance Of Profit		1,561,110.95				
67,033,630.51	**GRAND TOTAL**		**70,295,353.50**	**67,033,630.51**	**GRAND TOTAL**		**70,295,353.50**

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

FOR NOBLE COOPERATIVE BANK LIMITED

For M/s GAUR & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Registration No. 005354C

	Sd/-	Sd/-	Sd/-	Sd/-	Sd/-
Partner	**CA R.K GAUR**	**R.C Gupta**	**Vishal Bakshi**	**NAIPAL SINGH BHATI**	**A.K DIXIT**
M. No. -	**072146**	**Secretary**	**Chairman**	**Director**	**Director**
UDIN:	**26072146OTGBCK3123**				

Place: Noida

कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने यीडा क्षेत्र में निवेश संभावनाओं का किया अध्ययन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कोरिया गणराज्य के व्यापार, उद्योग एवं संसाधन मंत्रालय, कोरियाई दूतावास और कोरिया व्यापार-निवेश प्रोत्साहन एजेंसी (कोट्रा) के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) का दौरा कर क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं का अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने यीडा क्षेत्र में विकसित हो रहे औद्योगिक एवं अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

प्रतिनिधिमंडल में कोरिया के व्यापार, उद्योग एवं संसाधन मंत्रालय के निदेशक किम जिनसू, उपनिदेशक कांग होंग कू, कोरियाई दूतावास के वाणिज्यिक परामर्शदाता सुंगजोंग चो, कोट्रा दक्षिण एशिया मुख्यालय के प्रबंध निदेशक डोंगह्योन किम तथा भारत-कोरिया व्यापार सहयोग प्रकोष्ठ के कार्यकारी निदेशक जैवूक (जेक) ली शामिल रहे।

यीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र कुमार भाटिया ने प्रतिनिधिमंडल को क्षेत्र की निवेश संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन, उत्कृष्ट संपर्क व्यवस्था तथा एस्कॉर्ट्स कुबोटा, एचसीएल-फॉक्सकॉन सहित कई प्रमुख निवेशकों की मौजूदगी ने यीडा क्षेत्र को निवेश के लिए आकर्षक बनाया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर चिप, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, चिकित्सा उपकरण, ऑटोमोबाइल पुर्जों और अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से निवेश हो रहा है, जिससे क्षेत्र का औद्योगिक और लॉजिस्टिक तंत्र मजबूत हुआ है।

भाटिया ने सेक्टर-4ए में प्रस्तावित कोरियन सिटी की भी जानकारी दी। लगभग 900 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाली इस परियोजना में औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक और संस्थागत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तथा समर्पित मालवाहक गलियारों से बेहतर संपर्क होने के कारण यह क्षेत्र कोरियाई निवेश आकर्षित करने के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

प्रस्तुतीकरण के बाद प्रतिनिधिमंडल ने संभावित निवेश के लिए चिन्हित भूमि पार्सलों का भी निरीक्षण किया। इस दौरे से कोरियाई उद्योगों और यीडा के बीच निवेश सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ग्रेटर नोएडा की सड़कों को धूलमुक्त बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान शुरू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा की वायु गुणवत्ता में सुधार और सड़कों को धूलमुक्त बनाने के उद्देश्य से प्राधिकरण ने विशेष संयुक्त सफाई अभियान शुरू किया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देश पर शुरू किया गया यह अभियान 24 जून से 11 जुलाई तक चलेगा। अभियान के पहले चरण में ग्रेटर नोएडा पूर्व और पश्चिम के 37 प्रमुख मार्गों की व्यापक सफाई कराई जाएगी, जबकि शेष मार्गों को दूसरे चरण में शामिल किया जाएगा।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य, परियोजना और उद्यान विभाग की संयुक्त टीमें अभियान में जुटी हैं। विशेष अभियान के लिए वरिष्ठ प्रबंधक स्वास्थ्य राजेश गौतम सहित संबंधित अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभियान के तहत यांत्रिक सड़क सफाई, मैनुअल सफाई, फुटपाथ एवं मध्य पट्टी की सफाई, मलबा और धूल हटाने के साथ सड़कों पर नियमित जल छिड़काव किया जाएगा। इसके अलावा आठ दिन बाद दोबारा सफाई कराकर मार्गों को पूरी तरह धूलमुक्त रखने का प्रयास किया जाएगा। जिन स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, वहां गड्ढों की मरम्मत भी कराई जाएगी।

पहले चरण में एपेक्स कोर्ट से एस्टेक सोसाइटी, एलिट एक्स समूह से सिक्का ग्रीन, सेक्टर-2, सेक्टर-16, सेक्टर-36, नॉलेज पार्क-5, 130 मीटर रोड, सूरजपुर प्रवेश बिंदु से कासना टी-प्वाइंट सहित कई प्रमुख मार्गों को शामिल किया गया है। बृहस्पतिवार को अभियान के तहत कई मार्गों पर सफाई कार्य शुरू कर दिया गया। प्राधिकरण ने दीर्घकालिक समाधान के रूप में सड़कों के किनारे पेवमेंट और हरित पट्टी विकसित करने की योजना भी बनाई है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने नागरिकों से सफाई अभियान में सहयोग करने तथा ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त बनाने में भागीदारी निभाने की अपील की है।

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा की संगोष्ठी, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। संविधान हत्या दिवस एवं आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर के तत्वावधान में साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में संगोष्ठी और विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने किया, जबकि संयोजन अमरेश शर्मा ने संभाला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम शामिल हुए। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों को भारत माता का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय बताते हुए कहा कि उस दौर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए और पत्रकारों, लेखकों, शिक्षकों, कलाकारों तथा राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया। उन्होंने कहा कि आपातकाल ने संविधान की मूल भावना और लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर क्षति पहुंचाई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक स्तर पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। केंद्र सरकार भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के संरक्षण के साथ देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मयंक गोयल ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और संविधान के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारी पर बल दिया। उन्होंने कार्यकताओं और नागरिकों से लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विजय मोहन, एसपी सिंह, कृष्णवीर सिरोही, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, गौरव चोपड़ा, भानु सिसोदिया, सचिन डेढ़ा, नीरज शर्मा, विनीत त्यागी, हेमंत त्यागी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : प्रदीप नरवाल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रदीप नरवाल ने कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और अव्यवस्थाओं को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, गाजियाबाद में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदीप नरवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों, युवाओं, किसानों, मजदूरों एवं आम जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रही है और आगे भी जनहित के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र छात्राएं वर्षों तक कठिन परिश्रम करके नीट, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग, पुलिस भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन अव्यवस्थित परीक्षा व्यवस्था के कारण उन्हें मानसिक, आर्थिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। कई बार परीक्षाएं आयोजित होने के बाद निरस्त कर दी जाती हैं, जिससे अभ्यर्थियों की वर्षों की मेहनत, समय और परिवारों का आर्थिक निवेश व्यर्थ हो जाता है। नरवाल ने परीक्षा केंद्रों की दूरस्थ व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अनेक अभ्यर्थियों को अपने गृह जनपद से सैकड़ों और कई बार हजारों किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाते हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त खर्च, लंबी यात्राओं और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है, जिसका सीधा

असर उनकी परीक्षा पर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो तथा अभ्यर्थियों को उनके निवास स्थान के निकट परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराए जाएं। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में युवा वर्ग स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं और जो भर्तियां निकलती हैं, वे भी भ्रष्टाचार एवं अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के बजाय उन्हें परेशान करने का कार्य कर रही है। परीक्षा केंद्रों की दूरस्थ व्यवस्था, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी से लाखों परिवार प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस पार्टी युवाओं की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक उठाती रहेगी। प्रेस वार्ता में कांग्रेस पदाधिकारियों, फ्रंटल संगठनों के प्रतिनिधियों, मंडल अध्यक्षों, विधानसभा प्रभारियों, बूथ अध्यक्षों तथा बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।

निर्जला एकादशी पर इरोस सम्पूर्णम सोसायटी में छबील सेवा, श्रद्धालुओं को वितरित किया शीतल जल

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (शिखर समाचार)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर इरोस सम्पूर्णम सोसायटी के सुबह की बैठक समूह द्वारा सेवा और परोपकार की भावना के साथ छबील सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान सोसायटी के मुख्य द्वार के बाहर राहगीरों, श्रमिकों, सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय निवासियों को शीतल जल एवं पेय पदार्थ वितरित किए गए। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा अभियान का उद्देश्य लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना रहा। सुबह से ही समूह के सदस्य सेवा कार्य में जुट गए और बड़ी संख्या में लोगों ने छबील सेवा का लाभ उठाया। आयोजकों ने बताया कि निर्जला एकादशी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व विशेष माना जाता है। इस दिन जलदान और अन्नदान को अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इसी भावना से प्रेरित होकर समूह के सदस्यों ने सामूहिक रूप से यह सेवा अभियान संचालित किया। सोसायटी के निवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ साथ लोगों में परस्पर सहयोग और संवेदनशीलता की भावना भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सेवा कार्य में योगदान दिया। समूह के सदस्यों ने बताया कि भविष्य में भी समाजहित और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वयंसेवकों और सोसायटी के निवासियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

किसान समस्याओं को लेकर भाकियू लोकशक्ति का प्रदर्शन, तहसील में सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर स्वराज सिंह के नेतृत्व में प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन कर किसानों की विभिन्न समस्याओं को उठाया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सरकार की किसान नीतियों पर नाराजगी जताते हुए नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। किसान नेताओं ने कहा कि किसानों के प्रति सरकार का रवैया निराशाजनक है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए जल्द समाधान की मांग की।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने जेम्स अस्पताल के कर्मचारियों पर कथित लाठीचार्ज की घटना की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के साथ इस प्रकार की कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है और इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रदर्शन के बाद नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर किसानों और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान प्रमोद शर्मा, अमित भाटी, सुनील भाटी, अरुण अत्री, अजय तरण, विनोद चौधरी, विनीत शर्मा, उदयभान मलिक सहित बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोचिंग संस्थानों पर प्रशासन की सख्ती जारी, तीन दिन में 13 संस्थान सील

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विद्यार्थियों की सुरक्षा और कोचिंग संस्थानों में निर्धारित मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन का विशेष निरीक्षण अभियान लगातार जारी है। गुरुवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 26 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें अनियमितताएं मिलने पर दो संस्थानों को सील कर दिया गया, जबकि आठ को नोटिस जारी किए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर संचालित अभियान के तहत सेक्टर-2, सेक्टर-9, सेक्टर-12 और सेक्टर-62 नोएडा, दादरी कस्बा तथा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट स्थित कोचिंग संस्थानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों में आवश्यक अभिलेखों की कमी और शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं पाया गया। प्रशासन के अनुसार विशेष अभियान के तहत पिछले तीन दिनों में कुल 92 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है। इनमें से 13 संस्थानों को सील किया गया है, जबकि 26 संस्थानों को नोटिस जारी कर आवश्यक

मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान पंजीकरण, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, भवन सुरक्षा, आवश्यक अनुमतियां और अन्य दस्तावेजों की विशेष रूप से जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कोचिंग संचालकों को चेतावनी दी है कि सभी निर्धारित मानकों का तत्काल पालन सुनिश्चित करें। भविष्य में निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध सीलिंग, संचालन पर रोक और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध पंजीकरण और आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन किए संचालित संस्थानों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक हितों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन, वित्त एवं लेखा अधिकारी से हुई वार्ता

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (शिक्षक प्रकोष्ठ) की ओर से 15 जून को बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी से जिलाध्यक्ष अंशु सिद्धू के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट एवं परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संगठन की ओर से शिक्षक हितों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में जिला मंत्री दीपक अग्रवाल ने संगठन का परिचय देते हुए शिक्षकों की वर्तमान समस्याओं और मांगों से संबंधित ज्ञापन बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा। इसके बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने वित्त एवं लेखा अधिकारी से मुलाकात कर शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान वेतन, वित्तीय देयकों तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई गई। वित्त एवं लेखा अधिकारी ने शिक्षकों की समस्याओं का सकारात्मक समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के अनूप कुमार, देवेंद्र चौहान, विशाल सिरोही, रजनी नयन, मो. रिजवान, गुलशन कुमार, अरविंद कुमार, संजीव कुमार, प्रमोद कुमार, प्रेम सिंह, हेमंत रावल, विनोद कुमार, मामचंद, प्रदीप तेवतिया, अरुण हूंण, लियाकत हुसैन, चंचल कुमार, मुकेश त्यागी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा में शामली का बढ़ा कद, मोहित बेनीवाल और सुरेश राणा बने प्रदेश उपाध्यक्ष

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने एक बार फिर शामली जनपद के दो वरिष्ठ नेताओं पर भरोसा जताते हुए विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मोहित बेनीवाल और पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा को भाजपा उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। दोनों नेताओं की नियुक्ति से जिले के भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। मोहित बेनीवाल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शामली के वैश्य इंटर कॉलेज से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने Indian Institute of Technology Delhi से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री स्वर्ण पदक के साथ हासिल की। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने करीब छह वर्षों तक अमेरिका में टेक्नोलॉजी क्षेत्र में कार्य किया तथा कई सफल स्टार्टअप और वैश्विक उत्पाद कंपनियों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भाजपा संगठन में मोहित बेनीवाल प्रदेश मंत्री, युवा मोर्चा और राष्ट्रीय युवा मोर्चा की टीम में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। उन्होंने उत्तराखंड के प्रदेश प्रभारी के रूप में भी कार्य किया है। इसके अलावा वह भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री और क्षेत्रीय अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वहीं थानाभवन निवासी सुरेश राणा ने संगठन के एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। बाद में वह थानाभवन विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में भी कार्य किया। प्रदेश नेतृत्व द्वारा उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने से उनके समर्थकों और भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर है। भाजपा के दोनों वरिष्ठ नेताओं को प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने को जिले के राजनीतिक प्रभाव और संगठनात्मक मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। कार्यकताओं ने इसे शामली जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

सुरक्षा मानकों में भारी लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

जेपी ग्रीन्स क्यूब परियोजना का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद, मजदूर की मौत के बाद कारखाना विभाग सख्त

आरव शर्मा

नोएडा (शिखर समाचार)। गौतमबुद्धनगर के सेक्टर-128 स्थित जेपी ग्रीन्स क्यूब परियोजना में सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी पाए जाने पर कारखाना विभाग ने निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से स्थगित एवं प्रतिबंधित कर दिया है। यह कार्रवाई 17 जून को एक श्रमिक की ऊंचाई से गिरकर हुई मौत के बाद की गई जांच के आधार पर की गई।

कारखाना विभाग द्वारा 25 जून को परियोजना स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान निर्माण स्थल पर खुले शाफ्ट, असुरक्षित फ्लोर ओपनिंग, मानकविहीन स्कैफोल्डिंग, अपर्याप्त सेफ्टी नेट, श्रमिकों के लिए सुरक्षा उपकरणों की कमी, क्रेन एवं होइस्ट का परीक्षण न होना, विद्युत सुरक्षा में गंभीर खामियां, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का अभाव तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की कमी जैसी अनेक गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि परियोजना के पांच टावरों में बड़े पैमाने

पर निर्माण कार्य संचालित किया जा रहा था। विभागीय अधिकारियों ने स्थल पर मौजूद प्रतिनिधियों और कर्मकारों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए तथा उपलब्ध अभिलेखों का गहन परीक्षण किया। जांच में पाया गया कि 17 जून 2026 को कर्मकार पप्पू यादव की ऊंचाई से गिरकर हुई मृत्यु सुरक्षा मानकों की अनदेखी का परिणाम हो सकती है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि मौजूदा परिस्थितियों में निर्माण कार्य जारी रखना अन्य श्रमिकों एवं परिसर में आने वाले व्यक्तियों के जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। कारखाना विभाग ने जनहित और श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए आदेश जारी किया है कि परियोजना परिसर में सभी निर्माण गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद रहेंगी। निर्माण कार्य तभी दोबारा शुरू किया जा सकेगा जब सभी सुरक्षा खामियों को दूर कर किसी मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान अथवा विशेषज्ञ संस्था से विस्तृत सुरक्षा परीक्षण कराया जाएगा और उसकी रिपोर्ट तथा सुरक्षा प्रमाण-पत्र विभाग को प्रस्तुत कर स्वीकृति प्राप्त की जाएगी।

क्या बोले सहायक निदेशक कारखाना रामबहादुर

सहायक निदेशक कारखाना रामबहादुर ने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर अनेक गंभीर सुरक्षा खामियां पाई गई हैं, जो भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम-1996 तथा उत्तर प्रदेश नियमावली-2009 का उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि एक श्रमिक की मृत्यु के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच कराई गई, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जब तक सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया जाता और मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान से सुरक्षा परीक्षण कराकर रिपोर्ट एवं सुरक्षा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया जाता, तब तक निर्माण कार्य पर लगी रोक जारी रहेगी। श्रमिकों के जीवन और सुरक्षा की रक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कारखाना विभाग की इस कार्रवाई को नोएडा क्षेत्र में निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि श्रमिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले संस्थानों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गाजियाबाद में जिंदा निकाला मृत घोषित हुआ व्यक्ति, परिवार ने किया था अज्ञात मिले शव का अंतिम संस्कार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कौशांबी क्षेत्र के वैशाली में चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मृत घोषित किए गए गिरधर सिंह बिस्ट वापस अपने घर पहुंच गए। उन्हें दिखते ही परिवार वाले भोंचक्के रह गए। उनके जिंदा होने की सूचना पूरी सोसायटी में फैल गई और उनसे मिलने के लिए लोगों की भिड़े एकत्रित होने लगी। उनके जिंदा होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उनसे पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह कुछ टाइम अकेले रहना चाहते थे, इसके लिए वह पंजाब चले गए थे। जब उन्हें लगा कि अब घर वापस जाना चाहिए तो वह वापस घर लौट आए। आपको बता दे कि कल्पना सोसायटी के पास बीती 16 मई को स्थानीय दुकानदारों से उनका विवाद हुआ था। पुलिस ने शांति भंग की आशंका में उन्हें 151 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तार कर डासना जेल भेज दिया। 21 मई को जेल से रिहा होने के बाद गिरधर घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी बीच 13 जून को मसूरी थाना क्षेत्र में एक लावारिस शव मिला। परिजनों ने शव की पहचान गिरधर के रूप में कर दी। शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। इसके बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए, कौशाम्बी थाने पर हंगामा हुआ और मसूरी थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। वही उनके वापस घर आने के बाद थाना मसूरी पुलिस की मुश्किलें बढ़ गई है। पुलिस अंतिम संस्कार हुए उसे अज्ञात शव की पहचान करने में जुट गई है।

कृषि भूमि पर कब्जे का आरोप, विरोध करने पर महिला समेत चार लोगों से मारपीट

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर में कृषि भूमि पर कब्जे के विवाद को लेकर एक महिला और उसके परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जरीना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव स्थित खाता संख्या 491, 492, 493 और 494 में उसकी कृषि भूमि है, जिस पर उसका वैध कब्जा है। आरोप है कि गांव के ही तीन लोगों और उनके पिता ने मिलकर भूमि की मेड़ तोड़ दी और उस पर कब्जा करने का प्रयास किया। पीड़िता के अनुसार, उसके पति फजर मोहम्मद ने एक आरोपी से फोन पर इस संबंध में शिकायत की तो आरोपियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकियां दीं। आरोप है कि उसी शाम आरोपी उनके घर पहुंच गए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में जरीना, उसकी दो बेटियां और पति फजर मोहम्मद घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस भी वहां पहुंच गई। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

गृह प्रवेश समारोह में विवाद, तीन भाइयों पर लाठी डंडों से हमला

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र की ओम रतन कुंज कॉलोनी में गृह प्रवेश समारोह के दौरान हुए विवाद में तीन भाइयों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि बढ़पुरा गांव के समीप स्थित ओम रतन कुंज कॉलोनी में 24 जून को दीपांशु अपने नए मकान का गृह प्रवेश कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान बढ़पुरा निवासी सनी, रघुराज और उनके कुछ साथी वहां पहुंचे तथा आवारा पशुओं को मारकर भगा रहे थे। जब दीपांशु और उनके परिजनों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने दीपांशु, उनके भाई आकाश और ममेरे भाई सचिन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

संपादकीय

कराकास की त्रासदी और दुनिया के लिए चेतावनी

वेनेजुएला की राजधानी कराकास में आए विनाशकारी भूकंप ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रकृति के सामने आधुनिक विकास, ऊंची इमारतें और तकनीकी प्रगति भी कई बार असहाय दिखाई देती हैं। 24 जून की शाम स्थानीय समयानुसार आए 7.2 और उसके मात्र 39 सेकंड बाद 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों ने पूरे देश को झकझोर दिया। शुरूआती घंटों में जहां मृतकों और घायलों की संख्या सीमित बताई जा रही थी, वहीं जैसे-जैसे राहत और बचाव कार्य आगे बढ़ा, तबाही का वास्तविक स्वरूप सामने आने लगा। अनेक बहुमंजिला इमारतें धराशायी हो गईं, हजारों लोग मलबे में दब गए और लाखों नागरिकों का सामान्य जीवन अचानक ठहर गया। ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, सैकड़ों लोग घायल हैं और हजारों लोगों के लापता होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अंतिम आंकड़े कहीं अधिक भयावह हो सकते हैं।

यह केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। कराकास में जो हुआ, वह बताता है कि भूकंप जैसी आपदाएं केवल भूगर्भीय घटनाएं नहीं होतीं, बल्कि वे किसी राष्ट्र की तैयारी, उसकी शहरी योजना, निर्माण गुणवत्ता, आपदा प्रबंधन क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी परीक्षा लेती हैं। वेनेजुएला पिछले कई वर्षों से आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में जब इस स्तर की प्राकृतिक आपदा आती है, तो उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। अस्पतालों पर दबाव बढ़ जाता है, संचार व्यवस्था प्रभावित होती है, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सेवाएं बाधित हो जाती हैं और राहत कार्यों की गति भी धीमी पड़ जाती है।

इस त्रासदी की सबसे चिंताजनक बात यह है कि दोनों भूकंप एक-दूसरे के तुरंत बाद आए। वैज्ञानिक इसे डबलट भूकंपीय घटना बता रहे हैं। पहले झटके से जो इमारतें कमजोर हुईं, दूसरे अधिक शक्तिशाली झटके ने उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यही कारण है कि कराकास के कई इलाकों में भारी विनाश देखा गया। इसके बाद आए अनेक आफ्टरशॉक्स ने लोगों के भय को और बढ़ा दिया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे क्षतिग्रस्त भवनों में वापस न लौटें और खुले स्थानों में ही रहें।

आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष अनुसंधान और डिजिटल क्रांति की बात कर रही है, तब यह सवाल भी उठता है कि क्या हमने आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे पर उतना ध्यान दिया है जितना देना चाहिए था? दुनिया के अनेक देशों में तेजी से शहरीकरण हुआ है, लेकिन भवन निर्माण मानकों का पालन हमेशा समान रूप से नहीं हुआ। कई बार भ्रष्टाचार, लापरवाही और लागत कम करने की प्रवृत्ति भवनों को मौत के जाल में बदल देती है। कराकास की ढही हुई इमारतें केवल कंक्रीट का मलबा नहीं हैं, बल्कि वे उन नीतिगत कमजोरियों की प्रतीक हैं जिन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया।

यह घटना भारत सहित उन सभी देशों के लिए भी सबक है जो भूकंप संभावित क्षेत्रों में स्थित हैं। भारत के हिमालयी क्षेत्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्य, दिल्ली एनसीआर और गंगा के मैदानी क्षेत्रों का बड़ा हिस्सा भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में तुर्किये, मोरक्को, जापान और अब वेनेजुएला जैसी घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि आपदा कभी भी दस्तक दे सकती है। प्रश्न यह नहीं है कि अगला बड़ा भूकंप कब आएगा, बल्कि यह है कि जब वह आएगा तब हमारी तैयारी कितनी होगी।

~ मौलिक चिंतन ~

दिल को चोट से जरूर बचाइए, पर दिल को पत्थर मत बनाइए।

© विनय संकोची

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है।

हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दर्शाती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है। आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है।

सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं।

पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरूआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है।

बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे।खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया।

इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने भी शुरूआत में इसे एक दर्दनाक हादसा मानकर केस दर्ज किया था।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के बर्ताव ने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब किसी महिला के मंगेतर या पति की मौत होती है, तो वह टूट जाती है। लेकिन सिया के चेहरे या व्यवहार में दुख का कोई नामोनिशान नहीं था। वह बिल्कुल सामान्य दिख रही थी। यही पहली बात थी जिसने हमें झकझोर दिया, लेकिन उस वक्त अस्पताल भागने की जल्दी में हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक बड़े कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई, जिसे पहले हादसा समझा गया था लेकिन बाद में हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उसे मारकर खाई में धकेला था, दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आपको बता दें इसी तर्ज पर एक साल पहले इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने अपने दोस्तों की मदद से हत्या की थी राजा रघुवंशी की शादी 11 मई 2025 को 25 वर्षीय सोनम रघुवंशी से हुई थी। शादी के बाद दोनों 20 मई 2025 को हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। 23 मई 2025 को चेरापुंजी (सोहरा) के पास एक होमस्टे से निकलने के बाद राजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। शुरूआत में इसे सामान्य गुमशुदगी या लूटपाट का मामला दिखाने की कोशिश की गई।बाद में सोनम और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह

मेरठ का सबसे चर्चित और रूह कंपा देने वाला मामला है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी नाम की महिला है।मार्च 2025 में मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर दी। सौरभ को पहले नशीली दवा दी गई, फिर चाकू और उस्तरे से उसका गला रेता गया। शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला गया और बदबू छिपाने के लिए उसे सीमेंट और रेत के मिक्कर से जमा दिया गया। सौरभ अपनी बेटी को अपने साथ लंदन ले जाना चाहता था, लेकिन मुस्कान मेरठ में अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी।

सवाल उठता है कि भारतीय समाज किधर जा रहा है। भारतीय समाज में एक आदर्श महिला का चरित्र पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति का एक अनूठा संगम है। इसे मुख्य रूप से त्याग, सहनशीलता, संस्कार, पारिवारिक एकजुटता, और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। क्या भारतीय महिलाओं की पहचान अब सीता गार्गी कुन्ती तारा शबरी मंदोदरी द्रोपदी मैत्रेयी मदालसा देवहूति अरूंधती से न होकर सोनम मुस्कान और सिया गोयल जैसी पथभ्रष्ट युवतियों से होगी?

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने

योगेश कुमार गोयल

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे।

ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी...

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरूआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और

डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है। ड्रोन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम, फर्जी पहचान और डिजिटल भुगतान प्रणालियां तस्करों को नई ताकत प्रदान कर रही हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और कानूनी स्तर पर व्यापक रणनीति की आवश्यकता है।

भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

संक्षिप्त समाचार

रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने दी सिलाई मशीन

वाराणसी , एजेंसी। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोविन्स ऑफ आईएमएस अंजलि के तत्वावधान में रोहनिया विधानसभा के देउरा रामपुर और देल्हना ग्राम पंचायतों की किशोरियों को मंगलवार को सिलाई वितरित की गई। रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने किशोरियों को प्रमाण पत्र और सिलाई मशीन वितरित किया। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण से बेटियां आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी और समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। शिक्षा के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण लेकर अपने को सशक्त बनाकर देश और समाज के निर्माण में योगदान दे सकेंगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव अजीत पटेल, कार्यालय प्रभारी राजकुमार कश्यप, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश, देवराज पटेल, फादर सतीश आगस्टिन आदि मौजूद रहे।

प्राची के खेल से जुपिटर क्लब को हैंडबॉल में मिली जीत

वाराणसी , एजेंसी। प्राची के शानदार स्विंग शॉट की बदौलत जुपिटर क्लब ने मंगलवार को विश्व हैंडबॉल दिवस पर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में यूनिटी क्लब को 21-19 गोल से पराजित कर दिया। परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शुरू से तेज खेल का प्रदर्शन किया। हाफ टाइम तक स्कोर 10-10 रहा। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने रणनीति में बदलाव किया। जुपिटर क्लब की प्राची ने इस हाफ में भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच समाप्त होने से पांच मिनट पहले जुपिटर क्लब की स्नेहा ने तीन गोल कर अपनी टीम को 21-19 के स्कोर से मैच जीत लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि यूपी हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने खिलाड़ियों को बताया कि विश्व हैंडबॉल दिवस और खिलाड़ियों के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। संचालन कोच प्रवीण कुमार ने किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम मोहन यंग इंडियंस के मानद सदस्य

वाराणसी , एजेंसी। छावनी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम मोहन को भारतीय उद्योग परिसंघ की युवा इकाई यंग इंडियंस वाराणसी का मानद सदस्य मनोनीत किया गया है। यंग इंडियंस वाराणसी के अध्यक्ष हर्ष जैन ने उन्हें मानद सदस्यता प्रदान की। इस अवसर पर अविनव पेशवानी, तेजस करवा, दिव्यांशु राय और रोहित गुप्ता भी उपस्थित रहे। हर्ष जैन ने कहा कि सत्यम मोहन का अनुभव और नेतृत्व यंग इंडियंस के सामाजिक प्रयासों को नई दिशा देगा। बैठक में यंग इंडियंस वाराणसी और कैंटोनमेंट बोर्ड वाराणसी के संयुक्त अभियान बनारसगिरी पर भी चर्चा हुई। सत्यम मोहन ने युवाओं की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भविष्य में भी नागरिक सहभागिता और वाराणसी के समग्र विकास के लिए यंग इंडियंस के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

संरक्षा के क्षेत्र में एनईआर के तीन रेल कर्मियों को मिला स्टार ऑफ द मंथ अवॉर्ड

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे में रेल हादसा बचाने में मदद करने वाले तीन रेलकर्मियों को स्टार परफॉर्मर ऑफ द मंथ घोषित किया गया। महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने मंगलवार को तीनों रेलकर्मियों को अपने सभागार में नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गोरखपुर के जगतबेला स्टेशन पर कांटावाला पद पर कार्यरत अजीत कुमार तिवारी ने 22 अप्रैल को कार्य के दौरान अप मालगाड़ी के स्टेशन से पास होते समय इंजन से लगभग 10वें वैगन की छत पर एक व्यक्ति के लेटे होने की सूचना ऑन ड्यूटी स्टेशन अधीक्षक मोहन सिंह को भिजवाई। स्टेशन अधीक्षक ने नियंत्रण कक्ष को सूचना दी तथा गाड़ी को रोक कर व्यक्ति को नीचे उतारा गया। अजीत की सूझबूझ एवं सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना को बचाया गया।इसी तरह वाराणसी मंडल के टीआरडी/डिपो, छपरा में तकनीशियन के पद पर कार्यरत जगदीश कुमार महतो ने दो अप्रैल को कार्य के दौरान मांझी पुल पर पेट्रोलिंग के दौरान कटेनरी तार के 5 स्टैंड्स कटे होने की सूचना संबंधित अधिकारी को दी। महतो ने पावर एवं यातायात ब्लॉक लेकर कटेनरी तार के 5 स्टैंड्स को स्प्लिसिंग कार्य करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।इज्जतनगर मंडल के बनबसा स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत सूरज कुमार ने 15 अप्रैल को कार्य के दौरान गाड़ी संख्या 12035 टनकपुर-दिल्ली एक्सप्रेस के बनबसा स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर प्रवेश करते समय इंजन में लगे लगेज यान में असामान्य रूप से धुआं निकलते देखा। उन्होंने तत्काल ट्रेन मैनेजर एवं लोको पायलट को सूचित किया। निरीक्षण में पाया गया कि लगेज यान में ब्रेक जाम हो गया था। फाल्ट को ठीक करके ट्रेन को चलाया।

हैरान करने वाली 15 मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट

किसी की भी जान आग से झुलसने से नहीं गई

लखनऊ , एजेंसी। अलीगंज एनीमेशन सेंटर हादसे में 15 लोगों की मौत दम घुटने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने इसका जिक्र किया है। डॉक्टरों का कहना है कि मृतकों के शरीर पर ऐसी कोई गंभीर चोट नहीं मिली है, जिससे मौत का सीधा कारण हादसे में लगी चोट माना जा सके। डॉक्टरों का कहना है मृतकों के शरीर पर गहरे घाव या बड़ी चोट के निशान नहीं दिखाई दिए हैं। इसके अलावा आग में झुलसने या शरीर के जलने जैसे स्पष्ट प्रमाण भी नहीं मिले हैं। हालांकि कई मृतकों के चेहरे और आंखों के आसपास सूजन मिली है।

वहीं नाक के अंदर कालिख और धुएं के कण पाए गए हैं। डॉक्टरों ने बताया धुएं के कारण दम घुटने से सभी की जान गई है। डॉक्टरों ने जांच अधिकारियों को पोस्टमार्टम और मेडिकल परीक्षण के दौरान मिले इन तथ्यों की जानकारी दी है। टीम को बताया गया कि बंद जगह में आग या धुएं की स्थिति बनने पर ऑक्सीजन की कमी और जहरीली गैसों के प्रभाव से दम घुट सकता है। कई बार ऐसी स्थिति में व्यक्ति को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिल पाता है। धुंए के कारण युवक-युवतियां बेहोश भी हुए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह दम घुटना बताया गया है।

धुआं, जहरीली गैसें रोक देती हैं सांस : आग लगने की घटनाओं में कई बार लपटों से ज्यादा मौत का कारण धुएं में मौजूद जहरीली गैसें बनती हैं। बंद जगह में धुआं भरने से ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। भीतर फंसे लोगों का सांस लेना मुश्किल हो जाता है। प्लास्टिक, फोम और सिंथेटिक सामान जलने से कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन साइनाइड जैसी जहरीली गैसें निकल सकती हैं। कार्बन मोनोऑक्साइड शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता को प्रभावित कर बेहोशी और मौत का कारण बन सकती है।

ट्रॉमा में भर्ती जयंत की हालत गंभीर, लवप्रीत में सुधार : अलीगंज के कोचिंग सेंटर में सोमवार दोपहर अचानक लगी आग की लपटों में घिरे जयंत गुप्ता को बचने का कोई रास्ता नहीं सूझा तो वह दूसरी मंजिल से कूद पड़े। उनकी जान तो बच गई पर हाथ झुलस गए। जयंत जनरेटर पर गिरे थे, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी भी टूट गई। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें ट्रॉमा सेंटर की आईसीयू में रखा गया है। उधर, ट्रॉमा सेंटर में भर्ती दिल्ली निवासी लवप्रीत कौर को मामूली चोटें आई हैं। डॉक्टरों के मुताबिक जल्द उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

ऐशबाग की एलडीए कॉलोनी निवासी

प्रदीप गुप्ता ने बताया कि उनका इकलौता बेटा जयंत सेंटर में एनीमेशन ट्रेनर था। हादसे के दौरान उसका मोबाइल फोन कहीं गिर गया। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने के बाद जयंत ने मुंशीपुलिया निवासी दोस्त मयंक सिंह को हादसे की जानकारी दी। मयंक ने प्रदीप गुप्ता को फोन कर ट्रॉमा बुलाया। प्रदीप छह वर्ष पहले पीडब्ल्यूडी विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उनकी पत्नी मीना कुमारी का चार वर्ष पहले निधन हो चुका है। घर में पिता-पुत्र ही हैं। प्रदीप ने बताया कि जयंत बीए की पढ़ाई भी कर रहा है। वह इसी वर्ष उसकी शादी की तैयारी कर रहे थे।

सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि जयंत के इलाज के लिए न्यूरो सर्जरी और हड्डी रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की संयुक्त टीम लगाई गई है। जांच रिपोर्ट और मरीज की स्थिति के आधार पर तय होगा कि ऑपरेशन करना होगा या दवाओं से ही सुधार आ जाएगा। इलाज पूरी तरह निशुल्क किया जा रहा है।

कोचिंग संस्थानों की जांच के लिए चार टीमें गठित : अलीगंज अग्निकांड के बाद उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी भी नींद से जागे हैं। विभाग ने मंगलवार को चार सदस्यों वाली चार जांच कमेटियां गठित की हैं। ये टीमें बुधवार से जांच शुरू कर देंगी। इस दौरान जिस कोचिंग के मानक पूरे नहीं मिलेंगे उनका पंजीकरण निरस्त किया जाएगा। इस बारे में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहीं प्रो. सुमन ने बताया कि कमेटियों को एक सप्ताह में जांच पूरी करने के लिए कहा गया है। इनमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्रोफेसरों को शामिल किया गया है। ये टीमें उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 व केंद्र सरकार की ओर से जारी कोचिंग सेंटर गाइडलाइंस 2024 के मानकों को परखेंगी।

स्कूलों में भी परखी जाएगी बच्चों के लिए सुरक्षा व्यवस्था : बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग भी निजी व सरकारी विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को परखेगा। इस संबंध में संयुक्त शिक्षा माध्यमिक डॉ. प्रदीप कुमार ने मंगलवार को लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव के जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश जारी करके कहा है कि एक जुलाई को विद्यालय खुलने से पहले बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को परखा जाए। दूसरी ओर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक श्याम किशोर तिवारी ने भी सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था जांचने के लिए निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि स्कूल कॉलेजों में फायर ब्रिगेड की एनओसी का नवीनीकरण नहीं पाया जाता है तो मान्यता तक निरस्त की जा सकती है।

अग्निकांड की वजह जानने के लिए जुटाए साक्ष्य : अलीगंज सेक्टर-डी स्थित बिल्डिंग में सोमवार को हुए अग्निकांड मामले में मंगलवार की सुबह एसआईटी के पहुंचने से पहले फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। फॉरेंसिक टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। छानबीन में प्रथमदृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने के संकेत मिले हैं।

अग्निकांड मामले की विवेचना अलीगंज थाने के अतिरिक्त निरीक्षक को सौंपी गई है। पुलिस ने सोमवार को ही चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए हैं।

पुलिस की कार्यशैली के विरोध में भाकियू का प्रदर्शन, सीओ को सौंपा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की नगीना तहसील इकाई ने थाना बढ़ापुर सहित सर्किल के चारों थानों में कथित भ्रष्टाचार और पुलिस की कार्यशैली के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन किया। किसानों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा और समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

तहसील अध्यक्ष गुरमेज सिंह उर्फ सोनू विर्क के नेतृत्व में क्षेत्र के सैकड़ों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ प्रदर्शन करते हुए एसडीएम परिसर स्थित पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचे। यहां किसानों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह सोलंकी को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि तहसील सर्किल के अंतर्गत आने वाले थाना बढ़ापुर, नगीना देहात, कोतवाली देहात और नगीना थानों की कार्यशैली को लेकर आम जनता और किसानों में असंतोष व्याप्त है।

ज्ञापन में कहा गया कि राजनीतिक दबाव और आपसी रंजिश के चलते लोगों के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे

हैं, जिससे किसान और आम नागरिक परेशान हैं। भाकियू पदाधिकारियों ने मांग की कि इस प्रकार की शिकायतों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) व्यापक जनांदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान योगेंद्र डवास, राजीव चौहान, दिग्विजय, विजय, धर्मेंद्र कुमार, शहबाज, अजय सैनी, नौशाद, रजत, अनिल, रणजीत, अरविंद, जगदीश सहित बड़ी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

₹50 लाख तक की वित्तीय अनियमितता के आरोप में समिति का लिपिक बर्खास्त

बिजनौर (शिखर समाचार)। किसान सेवा सहकारी समिति बाकरपुर बहादुरपुर में वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरे लिपिक प्रविंद्र सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। यह निर्णय समिति के संचालक मंडल की विशेष बैठक में लिया गया, जिसमें जांच में आरोप सिद्ध पाए जाने के बाद कार्रवाई पर अंतिम मुहर लगाई गई।

समिति की सभापति कमल लता की अध्यक्षता तथा प्रबंध निदेशक जगदीश सिंह के संचालन में आयोजित बैठक में संचालक मंडल के सदस्यों ने मामले पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इसके बाद सर्वसम्मति एवं बहुमत के आधार पर प्रविंद्र सिंह को सेवा से पृथक करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

सभापति कमल लता ने बताया कि लिपिक पर करीब 40 से 50 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता और धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। शिकायतों के आधार पर विभागीय स्तर पर मामले की विस्तृत जांच

कराई गई। जांच के दौरान वित्तीय लेन-देन और अभिलेखों की गहन समीक्षा की गई, जिसमें आरोप सही पाए गए।

जांच रिपोर्ट में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद समिति प्रबंधन ने कठोर कार्रवाई करते हुए संबंधित लिपिक को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया। समिति का कहना है कि संस्था में पारदर्शिता और किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

समिति प्रबंधन ने क्षेत्र के किसानों और खाताधारकों से अपील की है कि वे बर्खास्त किए गए लिपिक प्रविंद्र सिंह के साथ किसी भी प्रकार का वित्तीय या प्रशासनिक लेन-देन न करें। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति उनके साथ किसी प्रकार का व्यवहार करता है तो उसकी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित व्यक्ति की होगी, समिति उसकी जवाबदेह नहीं होगी।

ऑपरेशन शस्त्र अभियान: बहादुरगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़ा अवैध तमंचा धारक, तमंचा व कारतूस बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। जनपद में अपराध एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत थाना बहादुरगढ़ पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थाना बहादुरगढ़ पुलिस टीम ने ग्राम पसवाड़ा से बहादुरगढ़ जाने वाले मार्ग पर सघन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिलाल पुत्र शरीफ निवासी मोहल्ला कुरैशियान, कस्बा एवं थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना बहादुरगढ़ में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर

दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अवैध हथियारों की तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सचिन कुमार, उपनिरीक्षक अखिलेश एवं हेड कांस्टेबल विचित्र राणा शामिल रहे।

डीएम ने नगर पालिका शामली का किया औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर जताई नाराजगी

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव ने गुरुवार को नगर पालिका परिषद शामली कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई व्यवस्था तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने जनगणना संबंधी अभिलेखों, भंडार एवं अभिलेख कक्ष, मीटिंग हॉल, रैन बसेरा तथा कर (टैक्स) संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखों को व्यवस्थित ढंग से संधारित करने तथा पालिका परिसर

में उपलब्ध खाली स्थान का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विशेष सख्ती दिखाते हुए कहा कि शहर के बॉर्डर और आउटर क्षेत्रों सहित किसी भी स्थान पर गंदगी मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर अधिशासी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में एक स्थान पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका को स्वच्छता, जनसुविधाओं और कार्यालयीय व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विनोद सोलंकी सहित नगर पालिका के सभासद एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अब प्रदेश में बेसमेंट में नहीं चल सकेंगे कोचिंग सेंटर और नर्सिंग होम, हर हाल में पूरे करने होंगे मानक

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के अलीगंज में हुए अग्निकांड प्रदेश के लिए बड़ा सबक बताया है। कहा, इस पीड़ादायक घटना से सीख लेते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके समुचित इंतजाम करें। उन्होंने मंगलवार को शासन के अधिकारियों के साथ बैठक में प्रदेश में मिशन मोड में व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले में फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों, नर्सिंग होमों, मेडिकल कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी भवनों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराएं। जनजागरूकता के बाद ही कार्रवाई की जाए। किसी भी नागरिक का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। इसके लिए हर जिले में विशेष टीम गठित करें। सभी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण करें। व्यावसायिक भवनों में अग्निशमन विभाग से प्राप्त एनओसी

परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा।

आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां न हों: भवन अथवा भूमि का उपयोग उसी उद्देश्य में हो जिसके लिए उसे स्वीकृति दी गई है। आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नहीं होना चाहिए। निर्धारित उपयोग के विपरीत किसी भी प्रकार की गतिविधि स्वीकार्य नहीं होगी। किसी भी परिस्थिति में बेसमेंट में कोचिंग अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन न होने पाए। यदि बेसमेंट पार्किंग के लिए स्वीकृत है तो उसका उपयोग केवल पार्किंग के लिए ही किया जाए। उन्होंने व्यावसायिक भवनों के विद्युत भार (लोड) का आकलन कराने के भी निर्देश देते हुए कहा कि जहां भार मानकों के विपरीत मिले अथवा अन्य नियमों का उल्लंघन हो रहा हो, वहां तत्काल कार्रवाई करें।

रिस्पांस टाइम भी परखा : सीएम ने घटना के संबंध में अपर मुख्य सचिव गृह, डीजीपी, डीजी अग्निशमन सेवा, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा एसडीआरएफ के अधिकारियों से घटना की सूचना मिलने के बाद किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। कहा, आपातकालीन सेवाओं का रिस्पॉन्स टाइम जितना कम होगा, राहत एवं बचाव कार्य उतने ही प्रभावी होंगे। सभी एजेंसियां अपने रिस्पॉन्स टाइम को और कम करने के लिए कदम उठाएं तथा संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें। बैठक में बताया गया कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 14 एम्बुलेंस तत्काल मौके पर भेजी गई थीं। उन्होंने दिल्ली में हुई अग्नि दुर्घटना का उल्लेख करते हुए निर्देश दिए कि अग्निशमन विभाग को जिन आधुनिक उपकरणों, संसाधनों एवं सुविधाओं की आवश्यकता हो, उन्हें उपलब्ध कराने में विलंब न किया जाए।

दिन भरा बैठकों का दौर, नए सिरे से व्यवस्था बनाने की तैयारी : अग्निकांड के बाद मंगलवार को दिनभर शक्तिभवन में बैठकों का दौर चलता रहा। अग्निकांड की स्थिति में ऊर्जा निगमों और सुरक्षा निगमों की जिम्मेदारी से जुड़ी पत्रावलियां तलाशी गई। अब नए सिरे से बचाव की रणनीति तैयार की जाएगी। अलीगंज अग्निकांड की घटना के बाद पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार गोयल ने मध्यांचल व अन्य अधिकारियों से घटना के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। निगम से जुड़े अभियंताओं से किस स्तर पर चूक हुई है, इसके बारे में भी लिखित रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा निदेशालय के अधिकारियों के साथ भी बैठक की। उनका पक्ष जाना।

उपभोक्ता का लोड बढ़ाने की स्थिति में सुरक्षा निदेशालय को सूचना देने की व्यवस्था की भी जानकारी ली। सुरक्षा निदेशालय के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरे प्रदेश में सर्वे के लिए नए सिरे से व्यवस्था बनाई जाए। निदेशालय में कर्मचारियों की कमी के संबंध में भी शासन को पत्र लिखने का निर्देश दिया है। निदेशालय ने तय किया है कि विद्युत सुरक्षा से जुड़े प्रकरण को लेकर नए सिरे से जांच ही नहीं बल्कि मानकों को पूरा करने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

कोचिंग संस्थानों की जांच के लिए चार टीमें गठित : अलीगंज अग्निकांड के बाद उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी भी नींद से जागे हैं। विभाग ने मंगलवार को चार सदस्यों वाली चार जांच कमेटियां गठित की हैं। ये टीमें बुधवार से जांच शुरू कर देंगी। इस दौरान जिस कोचिंग के मानक पूरे नहीं मिलेंगे उनका पंजीकरण निरस्त किया जाएगा। इस बारे में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहीं प्रो. सुमन ने बताया कि कमेटियों को एक सप्ताह में जांच पूरी करने के लिए कहा गया है। इनमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्रोफेसरों को शामिल किया गया है। ये टीमें उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 व केंद्र सरकार की ओर से जारी कोचिंग सेंटर गाइडलाइंस 2024 के मानकों को परखेंगी

पैनासोनिक का मध्य प्रदेश प्लांट बंद होने की कगार पर

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में संचालित पैनासोनिक कंपनी का विनिर्माण संयंत्र वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के बढ़ते अनुपालन खर्च के कारण गंभीर आर्थिक दबाव में बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी को औद्योगिक अपशिष्ट के संग्रहण, उपचार और सुरक्षित निस्तारण पर भारी राशि खर्च करनी पड़ रही है। जिससे उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रबंधन के सामने प्लांट के संचालन को लाभकारी बनाए रखना चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है,यदि नियमों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो कंपनी उत्पादन घटाने या संयंत्र बंद करने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है। इस संभावित निर्णय से क्षेत्र में रोजगार और स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों पर असर पड़ना तय है। हालांकि कंपनी की ओर से प्लांट बंद करने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कंपनी ने सरकार को जरूर परेशानी से अवगत करा दिया है। सरकार ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो कंपनी प्लांट बंद करने का निर्णय ले सकती है।

विवादों में डेटाल का विज्ञापन,चीन में बायकॉट की उठी मांग

नई दिल्ली ।

ब्रिटिश हाइजीन ब्रांड डेटॉल (डेटाल) को चीन में जारी इस विज्ञापन के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस विज्ञापन का मकसद टॉक्सिक पुरुषों (खराब सोच वाले पुरुषों) की आलोचना करना था, लेकिन इसके महिलाओं के लिए अपमानजनक माना गया। कंपनी ने विज्ञापन हटाते हुए सार्वजनिक माफी मांगी। मई के आखिर में जारी किए गए पांच मिनट के विज्ञापन में एक पुरुष अपनी गर्लफ्रेंड की तुलना अपनी पुरानी पार्टनर से करता है। कहानी में वह एक ऐसी महिला की तलाश की बात करता है जो उसके अनुसार साफ और अनछुई हो। वह यह भी कहता है कि भले ही वह स्वयं वर्जिन न हो, लेकिन उसकी भावी पत्नी का वर्जिन होना जरूरी है। विज्ञापन के अंत में उसकी नई गर्लफ्रेंड को उसकी सोच का पता चलता है। वह उसकी महिला-विरोधी मानसिकता की आलोचना करते हुए उससे रिश्ता खत्म कर देती है। इसके बाद एक वॉयसओवर में कहा जाता है कि टॉक्सिक पुरुष भी कीटाणुओं की तरह होते हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए डेटॉल की जरूरत होती है।

ओडिशा में 50,000 करोड़ का मेगा समुद्री विस्तार, नया बंदरगाह और जहाज निर्माण क्लस्टर

राज्य की सामरिक स्थिति मजबूत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

नई दिल्ली ।

ओडिशा अपनी समुद्री क्षमता को अभूतपूर्व विस्तार देने की तैयारी में है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य लगभग 50,000 करोड़ रुपये के निवेश से गहरे समुद्र में एक नया बंदरगाह और एक जहाज निर्माण क्लस्टर विकसित करेगा। इस विशाल पहल का उद्देश्य भारत की पूर्वी तटरेखा पर ओडिशा की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा में योगदान देना और आर्थिक विकास को गति देना है। मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि गंजम जिले के बहुदा में एक नए गहरे समुद्र बंदरगाह का विकास किया जा रहा है, जबकि केंद्रपाड़ा जिले में एक जहाज निर्माण क्लस्टर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और आर्थिक विकास के गहन संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि ये परियोजनाएं ओडिशा को भारत की उभरती हिंद-प्रशांत रणनीति के केंद्र में लाएंगी।

बहुदा में प्रस्तावित गहरे समुद्र बंदरगाह को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित किया जाएगा। यह भारत के पूर्वी तट पर सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड बंदरगाह परियोजनाओं में से एक होगा, जिसकी माल ढुलाई क्षमता लगभग 15 करोड़ टन प्रति वर्ष होगी। यह खनिज समृद्ध ओडिशा और पड़ोसी राज्यों के लिए एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग प्रदान करेगा, साथ ही दक्षिणी ओडिशा में लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्लस्टरों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पारादीप के पास 24,700 करोड़ रुपये के निवेश से 12 लाख जीटी क्षमता वाला एक जहाज निर्माण और मरम्मत क्लस्टर स्थापित होगा। यह समुद्री औद्योगिक केंद्र जहाज निर्माण, मरम्मत डॉक और समुद्री उपकरण उत्पादन को बढ़ावा देगा। केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही इन परियोजनाओं के माध्यम से तटीय बुनियादी ढांचे, समुद्री रसद और जहाज निर्माण क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और राज्य के आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आएगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय गुरुवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.34 पर बंद हुआ।

आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट से भी रुपया शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 31 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को 21

पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 101.50 पर रहा।

एशियाई बाजारों में जोरदार तेजी

मुंबई ।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी देखने को मिली। इसकी बड़ी वजह अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रान के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और चालू तिमाही के लिए मजबूत राजस्व अनुमान रहे। जापान का निक्केई 225 करीब 3.37 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 4.89 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। एशियाई कारोबार के दौरान एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 1.68 फीसदी और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स 0.48 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे थे। हालांकि बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। नेस्डेक कम्पो जिट 0.43 फीसदी और एसएंडपी 500 0.10 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि डाउ जोंस 0.35 फीसदी चढ़ा।

एमेजॉन साईओ एंडी जेसी भारत में, क्विक डिलीवरी पर कंपनी का जोर

नई दिल्ली ।

एमेजॉन के मुख्य कार्यकारी एंडी जेसी अपने पहले भारत दौरे पर हैं, जहां कंपनी ने देश के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा एमेजॉन नाउ का 300 से अधिक शहरों में विस्तार करने की घोषणा की है।

उनका यह दौरा भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साल 2021 में जेफ बेजोस के उत्तराधिकारी बनने के बाद, एंडी जेसी अभी मुंबई में हैं। उम्मीद है कि वे सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की भी संभावना है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब एमेजॉन ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट जैसे घरेलू क्विक-कॉमर्स प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है, जो अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

इस प्रतिस्पर्धा का सीधा जवाब देते हुए एमेजॉन ने कहा है कि वह मिनटों में डिलीवरी वाला देश का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाना चाहती है।

कंपनी के अनुसार, एमेजॉन नाउ एमेजॉन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई है, जिसके ऑर्डर हर तिमाही में दोगुने हुए हैं। एमेजॉन इंडिया के कंट्री मैनेजर समीर कुमार ने बताया कि प्राइम सदस्यों से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, जो अपनी खरीदारी तीन गुना बढ़ा देते हैं। भारत में एक प्रयोग के तौर पर शुरू की गई यह सेवा अब दुनिया भर के कई देशों में भी विस्तारित हो रही है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 109,निफ्टी 34 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में आज दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ही उतार-चढ़ाव बना रहने से दिन भर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के स्तर से नीचे फिसल गया। इसके पीछे एक कारण मुनाफावसूली भी माना जा रहा है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 109 अंक की बढ़त के साथ ही 77,100 पर और 50 अंक वाला एनएसई निफ्टी 34 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 24,056 पर बंद हुआ।

आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोनों ही बेंचमार्क इंडेक्स लगातार ऊपर की तरफ जाने लगे। यह तेजी दोपहर तक ही रही इसके बाद बाजार

गिरने लगा। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स करीब 703 अंक नीचे आ गय। वहीं निफ्टी 24,125 के स्तर पर खुला। बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप में 0.55 फीसदी की गिरावट देखी गई और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.47 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा तेजी इंटरग्लोब में देखने को मिल। वहीं इसके अलावा मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरो में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा नुकसान ओएनजीसी को हुआ जिसमें 2.88 फीसदी की गिरावट देखी गई। इसके अलाव पावर ग्रिड , हिंडाल्को के अलाव टेक महिंद्रा में भी गिरावट रही।

सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत मापने को नया सूचकांक आधार वर्ष 2024-25 तय

पहला डेटा जुलाई 2026 में; औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर करेगा काम

नई दिल्ली ।

देश के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत का आकलन करने के लिए सांख्यिकी मंत्रालय एक नया संकेतक पेश करने जा रहा है। सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) नामक यह सूचकांक, जिसका आधार वर्ष 2024-25 होगा, हर महीने जारी किया जाएगा। यह घोषणा मंत्रालय ने बुधवार को अक्सर पूछे जाने वाले सवालों की एक सूची में की। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2026 के आंकड़ों के लिए पहला आईएसपी 14 जुलाई, 2026 को घोषित किया जाएगा। इसके बाद के आंकड़े हर महीने की 29 तारीख (अवकाश होने पर अगले कामकाजी दिन) को जारी किए जाएंगे।

मंत्रालय ने कहा कि यह सूचकांक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर सेवा क्षेत्र में अल्पकालिक आर्थिक वृद्धि और बदलावों को मापने वाला एक महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक संकेतक होगा। आईएसपी को तैयार करने के तौर-तरीके मई 2025 में गठित

नीति आयोग की देबजानी घोष की अध्यक्षता वाली एक तकनीकी परामर्श समिति के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किए गए हैं। इस सूचकांक में थोक-खुदरा व्यापार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, होटल, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं जैसे कई प्रमुख उप-क्षेत्र शामिल होंगे। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को निगमित सेवा क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद आईएसपी ढांचे में शामिल करने का प्रस्ताव है।

बदलेंगे पेन के नियम छोटे लेनदेन में राहत, बड़े पर सख्ती

वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने को सरकार का नया कदम, उच्च-मूल्य लेनदेन में पेन अनिवार्य

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग जल्द ही पैन कार्ड नियमों में अहम बदलाव लागू करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर अंकुश लगाना है। इन नए नियमों के तहत, वित्तीय लेनदेन को छोटे और बड़े दो हिस्सों में बांटा गया है, जिसके अनुसार पेन की अनिवार्यता निर्धारित होगी। अब छोटे बैंकिंग लेनदेन, सीमित नकद भुगतान और कम मूल्य की खरीद जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए पेन कार्ड तुरंत जरूरी नहीं होगा, पर इनका रिकॉर्ड रखा जाएगा। वहीं, वार्षिक 10 लाख रुपये से अधिक नकद जमा/निकासी, 50,000 रुपये से अधिक म्यूचुअल फंड निवेश, 2 लाख से अधिक की नकद खरीदारी (जैसे आभूषण), 45 लाख से अधिक की संपत्ति खरीद और क्रेडिट कार्ड आवेदन जैसे बड़े लेनदेन के लिए पेन अनिवार्य रहेगा।

प्रमुख शहरों में कार्यालय परिसरों की पट्टा मांग में मामूली गिरावट

अप्रैल-जून तिमाही में कुल मांग 2 फीसदी घटकर 1.74 करोड़ वर्ग फुट हुई

नई दिल्ली ।

देश के शीर्ष सात शहरों में कार्यालय परिसरों को पट्टे पर लेने की सकल मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान दो प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 1.74 करोड़ वर्ग फुट रह गई। एक संपत्ति परामर्शदाता द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछली तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के बाद यह नरमी देखी गई है। हालांकि, इस दौरान विभिन्न शहरों में मांग के रुझान काफी अलग-अलग रहे। रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल-जून 2025 (संशोधित- अप्रैल-जून 2024) में पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.78 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में यह गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और हैदराबाद में कार्यालय स्थानों की मांग में वृद्धि हुई, जबकि मुंबई, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु में सकल पट्टा मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 52 लाख वर्ग फुट हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में यह 23 प्रतिशत बढ़कर 27 लाख वर्ग फुट और हैदराबाद में 19 प्रतिशत बढ़कर 38 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई। इसके विपरीत, मुंबई में पट्टा मांग 29 प्रतिशत घटकर 20 लाख वर्ग फुट रह गई। चेन्नई में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 20 लाख वर्ग फुट, पुणे में 25 प्रतिशत घटकर 12 लाख वर्ग फुट और कोलकाता में 17 प्रतिशत की कमी के साथ पांच लाख वर्ग फुट रही।

स्टीमहाउस इंडिया ने आईपीओ से पहले जुटाए 50 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

औद्योगिक भाप उपयोगिता सेवाएं प्रदान करने वाली स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले निवेशक मधुसूदन केला समर्थित कोषों और निवेशाय संभव फंड से करीब 50 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने गुरुवार को जारी सार्वजनिक सूचना में बताया कि उसने 73 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 68,49,315 शेयर आवंटित किए हैं, जिससे निजी नियोजन के जरिये कुल 49.99 करोड़ रुपये जुटाए गए।इस लेनदेन के तहत सिंगुलैरिटी लार्ज वैल्यू फंड-3 ने 47.94 लाख शेयर के लिए 34.99 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं सिंगुलैरिटी इक्विटी फंड-1 ने 6.85 लाख इक्विटी शेयर खरीदकर पांच करोड़ रुपये का निवेश किया। निवेशाय संभव फंड ने 9.99 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिसके बदले उसे 13.7 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए गए।पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अनुसार, आईपीओ के तहत प्रस्तावित नए शेयर निर्गम का आकार आईपीओ पूर्व नियोजन से जुटाई गई राशि के बराबर कम कर दिया जाएगा।सूरत स्थित कंपनी ने अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए अद्यतन दस्तावेज दिसंबर में सेबी के पास दाखिल किए थे।

अद्यतन मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ में 345 करोड़ रुपये के नए शेयर और 80 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी अपने मौजूदा ऋण का एक हिस्सा चुकाने, अंकलेश्वर एवं पनोली स्थित संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने, दहेज विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में नई भाप उत्पादन इकाई स्थापित करने तथा सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में करेगी। नए नियमों में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। पहले इस्तेमाल होने वाला फार्म 60 अब समाप्त कर दिया गया है और उसकी जगह फार्म 97 लागू किया गया है। हालांकि यह फॉर्म सभी जगह मान्य नहीं होगा। खासकर बड़े और हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शन में पेन देना ही जरूरी होगा फार्म 97 की अनुमति नहीं मिलेगी।

पहले से आसान हो जाएंगे क्योंकि पेन की जरूरत कम होगी। लेकिन बड़े खर्च, निवेश और खरीदारी में अब अधिक सख्ती देखने को मिलेगी। बिना पेन के बड़ी डील करना मुश्किल हो जाएगा।

जिससे वित्तीय सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनने की उम्मीद है।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान जताया

कमजोर मानसून, ऊर्जा संकट और वैश्विक सुस्ती से जीडीपी 6.6 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान लगाया है। अपनी ताजा रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र पर बढ़ते दबाव, कमजोर मानसून और वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जबकि महंगाई बढ़कर 5.1 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।

बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

एसएंडपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने पहले 7.7 फीसदी और 7.1 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी, लेकिन अब यह रफ्तार धीमी होगी।

अल-नीनो के कारण सामान्य से 43 फीसदी कम मानसूनी बारिश ने कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है।

भारत अपनी कच्चे तेल की 88 फीसदी जरूरत आयात करता है; पश्चिम एशिया में तनाव से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें बढ़ने से देश का आयात बिल और औद्योगिक लागतें बढ़ी हैं। बढ़ते उर्वरक मूल्य भी खाद्य उत्पादन और महंगाई पर असर डालेंगे। एसएंडपी का अनुमान है कि उपभोक्ता महंगाई दर 5.1 फीसदी तक पहुंच सकती है। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई को वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों और निवेश पर भी असर पड़ेगा।

वैश्विक विमानन केंद्र बनेगा भारत

छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक उड़ानें शुरू होंगी

वाराणसी ।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने के उद्देश्य से अगले छह सप्ताह में छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक (एचएंडएस) मॉडल के तहत उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। वाराणसी से इस मॉडल की पहली उड़ान सेवा शुरू की गई, जिसका लक्ष्य छोटे-मझोले शहरों को अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से निर्बाध रूप से जोड़ना है। इस व्यवस्था में, छोटे हवाई अड्डों (स्पोक) से यात्री बड़े हब हवाई अड्डों जैसे दिल्ली के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंचेंगे। नायडू ने वाराणसी हवाई अड्डे पर पहली 'हब-एंड-स्पोक' उड़ान (एआई1111) का शुभारंभ किया। यह उड़ान सुबह 9:30 बजे वाराणसी से रवाना हुई, जिसके यात्री दिल्ली के रास्ते दुबई, कोलंबो, जेद्दा, रियाद और फुकेत सहित नौ विदेशी गंतव्यों के लिए यात्रा करेंगे। एयर इंडिया इन सेवाओं को ईजी कनेक्ट उड़ानें

कह रही है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि इनका विस्तार अमृतसर, अहमदाबाद, कोच्चि, गोवा, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों तक होगा। इन उड़ानों से यात्रियों को अपने प्रस्थान हवाई अड्डे पर ही सामान जमा करने और आव्रजन प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा मिलेगी। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह मॉडल छोटे शहरों को लाभ देगा और रोजगार, निवेश के अवसर पैदा करेगा।

आज होगा वैभव का डेब्यू!

अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर बड़ा सस्पेंस

02 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगे भारत व आयरलैंड

लंदन, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इस सीरीज के साथ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। हालांकि, कप्तानी से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिलेगा। भारत-आयरलैंड के बीच पहला टी20 26 जून को और दूसरा टी20 28 जून को खेला जाएगा। दोनों मैच शाम छह बजे से शुरू होंगे।

वैभव सूर्यवंशी पर पूरे देशभर की टिकी हैं निगाहें...

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद हाल ही में श्रीलंका में हुई इंडिया-ए त्रिकोणीय सीरीज में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया। यही वजह है कि उनके भारतीय टीम में डेब्यू को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग-11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

किसकी जगह खेलेंगे

अगर सूर्यवंशी को मौका दिया जाता है तो भारत को अपनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, जबकि श्रेयस अय्यर के नंबर-चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। ऐसे में सूर्यवंशी के आने पर सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन में से केवल दो खिलाड़ियों के लिए ही जगह बच सकती है।इसका मतलब यह हो सकता है कि किसी मौजूदा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी स्थिति बदलनी पड़े या फिर प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़े। टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद ऐसा बदलाव कठोर लग सकता है, लेकिन टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा का स्तर यही दिखाता है। सूर्यकुमार यादव का कप्तानी और टीम दोनों से बाहर होना भी यह संकेत देता है कि चयनकर्ता कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजू सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को चोट के कारण दो बड़े झटके लगे हैं। स्ट्राइक बॉलर मैट हेनरी और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टीम से बाहर हो गए हैं।

टीम ने बताया कि पिछले हफ्ते ओवल में न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के दौरान 11 विकेट लेने वाले हेनरी को उस मैच के दौरान पिंडली (ष्ठुद्यद्ध) में खिंचाव आ गया था और वे अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। ओवल में पहली पारी में अहम शतक लगाने वाले फिलिप्स साइड स्ट्रेन (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बाहर हो गए हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

साई सुदर्शन ने श्रीलंका-ए के खिलाफ शतक बनाया

गॉल। इंडिया-ए के ओपनर साई सुदर्शन ने गॉल में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में शतक जड़ दिया। उन्होंने 19 चौके की मदद से 175 गेंद पर 132 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का नौवां शतक है।साई के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल और शेख रशीद क्रीज पर हैं। आयुष पांडे 25, देवदत्त पडिक्कल 12 और ऋतुराज गायकवाड ने 22 रन बनाए। इस समय पहले दिन का दूसरा सेशन चल रहा है। इस मैच से पहले तक साई सुदर्शन ने 40 फर्स्ट क्लास मैचों की 68 पारियों में 2672 रन बनाए थे। उन्होंने 8 शतक और 10 अर्धशतकों लगाए थे। उनका औसत 39.29 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर 213 रन रहा है।इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के दौरान उन्होंने कहा कि हम बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका-ए पर दबाव बनाना चाहते हैं। इंडिया-ए को साई सुदर्शन और आयुष पांडे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 गेंद में 78 रन जोड़े। इसके बाद साई ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा।

स्विट्जरलैंड-कनाडा अंतिम-32 में पहुंचे

वैंकूवर/सिएटल। एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप बी के अंतिम मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। वैंकूवर में खेले गए मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिएटल में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से मात देकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। तीन मैचों के बाद स्विट्जरलैंड सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहा, कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमों ने सीधे अंतिम-32 में जगह बना ली। वहीं, बोस्निया भी चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा और अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर आगे बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए है। कतर सिर्फ एक अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

बोस्निया ने जीत से जीवित रखीं नॉकआउट की उम्मीद

स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप में मारी बाजी

वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और 45 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। कनाडा और स्विट्जरलैंड दोनों ने मौके बनाए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने मैच का रुख बदल दिया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और स्विस आक्रमण की धुरी बने रहे। कनाडा ने हार नहीं मानी और 76वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। आखिरकार स्विट्जरलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल कर लिया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया।

बोस्निया ने कतर को हराकर जिंदा रखीं नॉकआउट की उम्मीदें

सिएटल स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने क़तर को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। मैच के पहले हाफ में बोस्निया ने आक्रामक शुरुआत की और 29वें मिनट में 18 वर्षीय केरिम अलाजबेगोविच ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बोस्निया की बढ़त 34वें मिनट में दोगुनी हो गई जब कतर के सुल्तान अलब्राके ने एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गेंद पहुंचा दी। हालांकि कतर ने वापसी की कोशिश की और 42वें मिनट में अनुभवी हसन अलहायदोस ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कतर ने बराबरी के लिए जोर लगाया और कुछ अच्छे मौके भी बनाए, लेकिन बोस्निया ने संयम बनाए रखा। मैच के 80वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एरमिन माहमिक के डिफ्लेक्टेड शॉट ने कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस गोल के साथ बोस्निया ने 3-1 की निर्णायक जीत सुनिश्चित कर ली। इस जीत के साथ बोस्निया के भी चार अंक हो गए, लेकिन गोल अंतर और अन्य मानकों के कारण टीम तीसरे स्थान पर रही। अब उसकी निगाहें अन्य समूहों के परिणामों पर टिकी रहेंगी, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर अंतिम-32 में जगह बना सकती है।

ग्रुप-बी का हाल

ग्रुप बी से स्विट्जरलैंड ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे अंतिम-32 में प्रवेश किया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया। बोस्निया-हर्जेगोविना ने अंतिम मैच जीतकर अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है और अब वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची में जगह बनाने की कोशिश करेगा। वहीं कतर का अभियान एक अंक के साथ समाप्त हो गया।

नेमार की वापसी अफ्रीका ने रचा इतिहास

मोरक्को-ब्राजील नॉकआउट में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 का 14वां दिन रोमांच से भरपूर रहा। ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाई, जबकि नेमार ने चोट से वापसी करते हुए टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेला। मोरक्को ने हैती के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर अगले दौर की उम्मीदें मजबूत कर लीं। वहीं, ग्रुप-ए में दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को हराकर इतिहास रच दिया और विश्वकप के इतिहास में पहली बार नॉकआउट में जगह बनाई। वहीं, मेक्सिको से हारकर चेकिया विश्वकप से बाहर हो चुका है।

ग्रुप चरण के आखिरी दौर में एक साथ हो रहे मुकाबले

फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण के अंतिम दौर में अब एक ही समय पर दो मुकाबले खेले जा रहे हैं। फीफा ने ग्रुप स्टेज के आखिरी दौर में एक ग्रुप के दोनों मुकाबलों को एक साथ शुरू कराया है ताकि कोई भी टीम दूसरे मैच के परिणाम का फायदा न उठा सके।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। स्टार विंगर विनीशियस जूनियर ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विनीशियस ने मैच के सातवें मिनट में पहला गोल किया और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल दाग दिया। उनके साथ मैथियस कुन्हा ने भी एक गोल किया। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खबर नेमार की वापसी रही। पिंडली की चोट के कारण शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाने वाले नेमार 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ब्राजील ने ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि स्कॉटलैंड एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रहा।

मोरक्को से हारकर हैती के सपनों पर फेरा पानी

मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर ग्रुप-सी में दूसरे स्थान के साथ नॉकआउट दौर में जगह बना ली। हैती ने मुकाबले में दो बार बढ़त हासिल की थी। लेनी जोसेफ ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद अचरफ हाकिमी ने 39वें मिनट में बराबरी दिलाई, लेकिन कुछ ही मिनट बाद विल्सन इसिडोर ने फिर हैती को बढ़त दिला दी। हालांकि मोरक्को ने हार नहीं मानी। इस्माइल सैबारी ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया और 89वें मिनट में गेस्सीम यासीन ने चौथा गोल दागकर हैती की उम्मीदें समाप्त कर दीं। कतर विश्वकप 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को टीम ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस बार भी लंबी दौड़ तय करने की क्षमता रखती है।

फीफा विश्वकप के बीच नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन पर गिरी गाज!

लॉजेन। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े फीफा नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला नेपाली फुटबॉल के गवर्नेंस को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद आया है। इससे पहले, नेपाल की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एएनएफए को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में उस फैसले को वापस ले लिया गया था। फीफा ने अपने बयान में कहा कि काउंसिल के ब्यूरो ने फीफा नियमों के आर्टिकल 14 पैराग्राफ 1(आई) और 3 के तहत तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है।

फीफा के सर्कुलर के मुताबिक, 24 जून 2026 से एएनएफए ने फीफा नियमों के आर्टिकल 13 में दिए गए सभी सदस्यता अधिकार अगले आदेश तक खो दिए हैं। इसके चलते अब एएनएफए के प्रतिनिधि और क्लब टीमें तब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाता।

इस निलंबन का मतलब है कि नेपाल की राष्ट्रीय टीमें और क्लब अब फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके साथ ही ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए), उसके सदस्य संगठनों और अधिकारियों को फीफा औरएएफसी की वित्तीय सहायता भी नहीं मिलेगी।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया है कि निलंबन के दौरान एएनएफए और इसके किसी भी सदस्य या अधिकारी को फीफा और एएफसी के किसी भी विकास कार्यक्रम, कोर्स या प्रशिक्षण में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, सभी संबंधित पक्षों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जब तक एएनएफए पर निलंबन लागू है, तब तक उनके साथ या उनकी टीमों के साथ किसी भी प्रकार का खेल संबंध (स्पोर्टिंग कॉन्ट्रैक्ट) न रखा जाए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3929

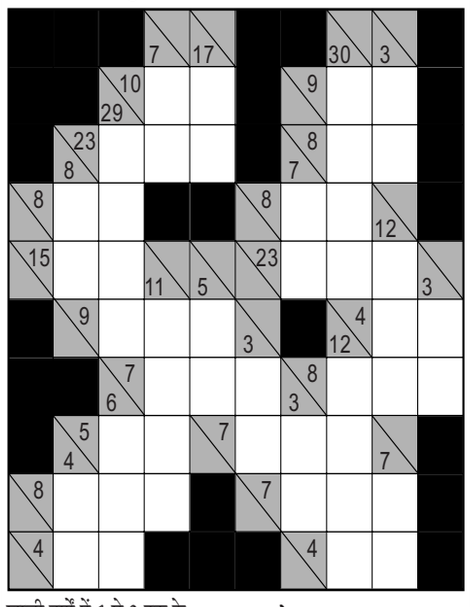

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

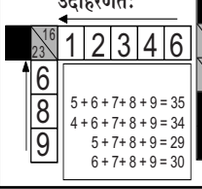

उदाहरणत:

1 2 3 4 6 (23) ; 6, 8, 9 (16)

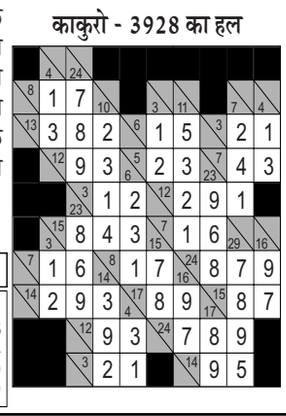

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3928 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

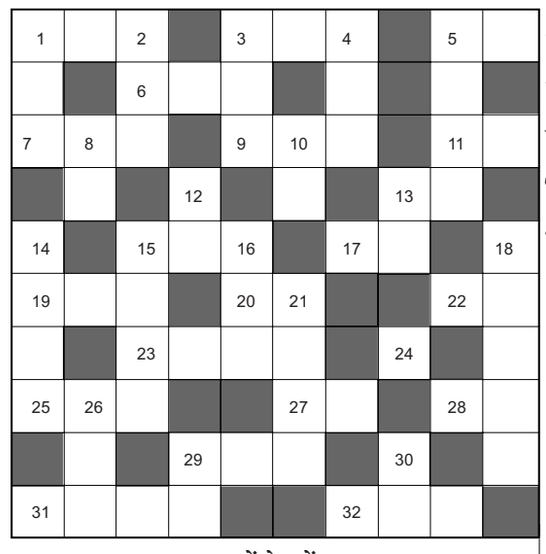

बेटा- 'शून्य, शून्य, शून्य !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3929

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3928

पि	या	का	घ	र	■	ह	थ	क	ड़ी
ता	श	■	रौं	■	दो	स्ती	■	न्या	■
■	ना	खु	दा	■	बा	■	अं	दा	ज
ह	■	श	■	कुं	द	न	■	न	■
म	ज	बु	र	■	न	ज	र	■	म
सा	या	■	त	ब्बू	■	श	■	डॉ	न
या	■	आ	न	■	कि	ना	श	■	च
■	गै	र	■	मै	ला	■	म	वा	ली
प्या	■	पा	पी	■	■	श	जा	■	■
सा	ग	र	■	श	खी	■	ने	पा	ल

सूडोकु -3929

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3928 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

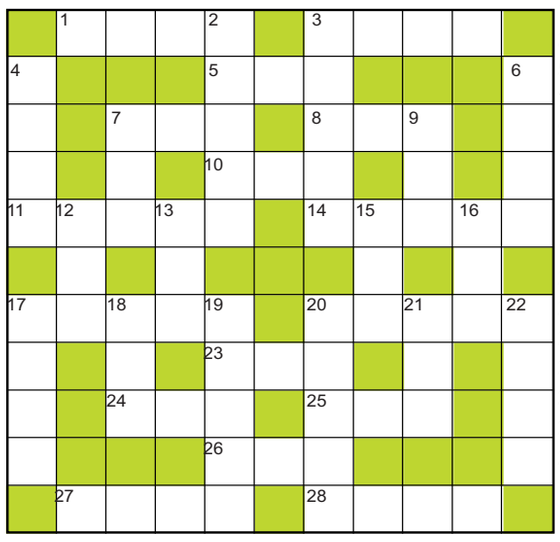

शब्द पहेली - 3929

बाएँ से दाएँ

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3928 का हल

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

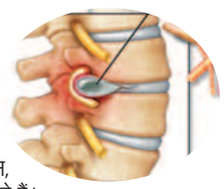

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY
DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.
Special Page / Position Premium
Front Page (Semi) - 50%
Front Page (Solus) - 75%
Back Page - 25%
Page Three - 20%
Island Position - 50%
Right Hand Page - 10%
Top of AD Column - 15%
Any Other Spl. Position - 10%
Strip Advt. - 15%
Political Advt. - 50%
Pull Outs - 50%
Discount as per deal
Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.
Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा

फिल्ममेकर अनिल शर्मा का कहना है कि जैसे ही उनके हाथ 'गदर : एक प्रेम कथा' की स्क्रिप्ट आई, उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी हिट बन सकती है। 25 साल बाद, कई रिकॉर्ड बनाने और एक हिट फ्रेंचाइज बनने के बाद भी अनिल शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि यह फिल्म आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने फिल्म को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन फिल्म के राइटर शक्तिमान तलवार ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, उसी दिन मुझे समझ आ गया था कि यह भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन सकती है, और ऐसा हुआ भी। 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम' और 'शोले' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं, और मैंने कोशिश की कि यह फिल्म भी उसी लेवल की बने। यह फिल्म टॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। ब्लॉकबस्टर कमाई के अलावा, इस फिल्म को करीब 10 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो आज तक कोई फिल्म हासिल नहीं कर पाई। यहां तक कि 'गदर 2' का फुटफॉल भी इसका आधा ही था।'

लगान से टक्कर पर फिल्ममेकर का बयान

रिलीज के दिन 'लगान' से टक्कर पर वह कहते हैं, 'आज हम कहते हैं कि 'लगान' से मुकाबला था, लेकिन उस समय ऐसा कुछ नहीं था। उस दौर में दो-तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होती थीं और सभी अच्छा चलती थीं। लोग एक फिल्म देखने के बाद दूसरी फिल्म भी देखने जाते थे। वो मार्केटिंग का नहीं, दिल का दौर था।' कास्टिंग को लेकर अनिल शर्मा कहते हैं, 'लोग पूछते हैं कि क्या कोई और विकल्प था, लेकिन सनी देओल, अमरीश पुरी या बाकी कलाकारों के लिए हमारे पास दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं।'

क्या 'गदर 3' बनेगी

गदर 3 बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब उत्कर्ष बड़ा हुआ तो लोग कहने लगे कि जीते की कहानी लाओ। लेकिन मेरे लिए अगर 'गदर' एक बम थी, तो 'गदर 2' के लिए मुझे एटम बम जैसी कहानी चाहिए थी, और उसने इतिहास बना दिया। अब अगर मुझे न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी, तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा। हम इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब सही रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।' बता दें कि पहले पार्ट में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 15 जून 2001 को आमिर खान की 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी।

मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरुआत का किस्सा

मुझे 'कंप्रोमाइज' का मतलब ही समझ नहीं आया

अभिनेत्री मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही।

मानवी ने बताई करियर की अजीब घटना

हाल ही में मानवी ने 'टू गर्ल्स एंड टू कप्स' शो में बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए 'एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइजट का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि 'कॉम्प्रोमाइज?' दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था'। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था।

मैसेज भेजने वाले की हिम्मत ने हैरान किया

मानवी ने कहा, 'मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो'। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, 'मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी'। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे 'नो वन किल्ड जेसिका', 'पीके', 'तू है मेरा संडे' और 'उजड़ा चमन' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

नए स्टार्स के साथ ऐसा ही होता है

वह किस्सा याद कर मानवी को हंसी आ गई कि उन्होंने उस मैसेज का मतलब कितनी मासूमियत से समझा था। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले लगा कि 'कॉम्प्रोमाइज' का मतलब है कि बजट में कॉम्प्रोमाइज करेंगे या नहीं। मुझे लगा शायद यह कोई फाइनेंशियल बात है। जैसे जीएसटी, पता है न? एक लाख रुपये प्लस जीएसटी, शायद कुछ कॉम्प्लिमेंट्री भी हो। साथ में कॉम्प्रोमाइज। मुझे पता नहीं था'। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग नए-नए इंडस्ट्री में आते हैं और वहां की भाषा समझने की कोशिश करते हैं, उनके साथ ऐसी गलतफहमियां होना आम बात है। मानवी के मुताबिक, 'जो लोग फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते उनके साथ ऐसा ही होता है।

नयनतारा ने सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' की सफलता का मनाया जश्न

सामंथा रुथ प्रभु अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। एक्शन कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। नयनतारा ने फिल्म की सफलता को लेकर सामंथा को बधाई दी है। उन्होंने पूरी टीम को प्यार और सफलता की शुभकामनाएं देते हुए एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को देखते हुए साउथ अभिनेत्री नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक खास पोस्टर शेयर किया। उन्होंने सामंथा को 'सैम' कहकर बधाई दी और लिखा कि वह इस सफलता की हकदार हैं। उन्होंने पूरी टीम को भी शुभकामनाएं दीं।

बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों की कमाई

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की नई तेलुगु फिल्म 'मां इंटी बंगारम' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

'मां इंटी बंगारम' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसे नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है। फिल्म 18 जून, 2026 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 'यशोदा', 'घाटी' और 'द गर्लफ्रेंड' के पहले दिन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म में सामंथा के साथ गुलशन देवैया और दिगंथ मंचले भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस हिट के बिना इंडस्ट्री गंभीरता से नहीं लेती

'स्त्री' और 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अब ऑडियंस को इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार है। 'स्त्री' में जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी भी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में अभिषेक ने कहा, 'यह फिल्म बननी भी चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे चलता रहेगा।'

फ्रेंचाइजी को चाहिए नई और युवा एनर्जी

फ्रेंचाइजी की कास्टिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'जहां तक कास्ट की बात है, फिलहाल तो मेरी यही दुआ है कि अगले कुछ साल तक यही टीम (राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक) बनी रहे। लेकिन आखिरकार हर चीज का एक समय होता है। किसी भी इंडस्ट्री में, चाहे आप किसी भी मुकाम पर हों, एक समय ऐसा आता है जब नई पीढ़ी को आगे आने के लिए जगह देनी पड़ती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की फिल्मों में एक खास तरह की यंग एनर्जी की जरूरत होती है। अगर हम 55 या 60 साल की उम्र में भी वही किरदार निभाते रहें तो ऑडियंस को उतना मजा नहीं आएगा इसलिए जब तक हम उस किरदार की ताजगी और एनर्जी को बनाए रख सकते हैं, तब तक जरूर इसका हिस्सा बने रहना चाहेंगे। हां, जिस दिन हमारे निर्माता या निर्देशक को लगेगा कि अब किसी नई एनर्जी की जरूरत है, तो वह फैसला भी हमें स्वीकार करना होगा। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।'

फ्रेंचाइजी के अगले भाग को लेकर अभिषेक ने कहा, 'इसका इंतजार मैं भी उतना ही कर रहा हूं जितना ऑडियंस कर रही है। उम्मीद है कि 2028 तक फैंस को 'स्त्री' की एक नई पेशकश देखने को मिल जाएगी। फिलहाल तो यही कहूंगा कि यह यूनिवर्स लगातार बड़ा और मजबूत होता जा रहा है, इसका अगला भाग 'शक्ति शालिनी' भी अभी बन रहा है।'

बातचीत के दौरान अभिषेक ने यह भी माना कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक रही है। उनके मुताबिक, इसकी सफलता के बाद इंडस्ट्री में उन्हें देखने का नजरिया बदल गया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'स्त्री' मेरे करियर की सबसे बड़ी गेम चेंजर रही। जब यह फिल्म आई और उसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, तब चीजें बदलनी शुरू हुईं। मेरा मानना है कि हमारी इंडस्ट्री में जब तक आपकी फिल्में पैसा नहीं कमातीं, तब तक आपको उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। टैलेंट अपनी जगह है, लेकिन आखिर में बॉक्स ऑफिस और बिजनेस भी बहुत मायने रखता है। हम सब यह बात जानते हैं।'

मनोज बाजपेयी ने सिनेमा के बदलते कल्चर पर उठाए सवाल

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में बढ़ते पेड रिव्यू ट्रेंड, स्टार्स की बड़ी टीम और बदलते वर्क कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों का प्रमोशन किस तरह करते हैं?

फिल्मों के पेड रिव्यू और जबरदस्ती अच्छा माहौल बनाने के ट्रेंड पर मनोज बाजपेयी ने बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'आजकल कोई भी फिल्म जो बुरी भी होती है, उसको अच्छा बताया जाता है। उस एक्टर की पूरी टीम लग जाती है ये साबित करने में कि फिल्म अच्छी है...उनका परफॉर्मेंस बहुत कमाल का है। तो जो चीज बुरी है, उसको अच्छा साबित करने के लिए पूरी टीम लगी रहती है जी। और ये सब मैंने भी पढ़ा है, देखा नहीं। मैं जिस तरह का काम करता हूं, उसमें ये सब तो होता नहीं है।'

मेरे फैसले मैं खुद लेता हूं

आज कई कलाकारों के फैसले उनकी टीम तय करती है। लेकिन मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो ऐसा नहीं है। मैं अपने फैसले खुद लेता हूं। स्क्रिप्ट पढ़ता हूं या फिर उसका नरेशन लेता हूं। ज्यादातर मैं स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद करता हूं। आखिर में फैसला मेरा ही होता है।' मनोज बाजपेयी ने कहा कि काम के दौरान वह अपनी निजी टीम को सेट से दूर रखते हैं और इसे डिसिप्लिन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे सेट पर आकर देखें, तो आपको मेरी टीम का कोई आदमी आसपास दिखाई नहीं देगा। मीडिया इंटरैक्शन के दौरान भी आप देख रहे हैं- प्रोडक्शन के लोग हैं, कैमरा टीम है, लेकिन मेरी टीम का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं है, क्योंकि हमने एक डिसिप्लिन बनाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'जब हम काम कर रहे होते हैं, मेरा स्टाफ उस दायरे से बाहर रहता है। वहां कैमरा है, डायरेक्टर है, मेरे साथ दूसरे कलाकार हैं। वो एक अलग जोन होता है। उसमें मेरा बॉय, असिस्टेंट या मेकअप मैन तभी आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। उनका काम कहीं और है, इस स्पेस में नहीं।'

मुझे बड़ी टीम के साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ती

जहां कई कलाकार बड़े सपोर्ट सिस्टम के साथ चलते हैं, वहीं मनोज का कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, 'अब हर किसी को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी है। मैं किसी को जज नहीं करता। जो बात आप कर रही हैं, उसके बारे में मैं कभी-कभी पढ़ लेता हूं, लेकिन वो दुनिया मेरे लिए काफी अनजान है। हो सकता है किसी अभिनेता को इतने सपोर्ट सिस्टम की जरूरत हो, मुझे नहीं है। मैं अपने लिए काफी हूं। मेरा कॉस्ट्यूम, मेरा मेकअप, बहुत सारी चीजें मैं खुद संभाल लेता हूं।' कई बार हेयर स्टाइलिस्ट भी साथ नहीं ले जाता मनोज का कहना है कि वह फिल्मों में दिखावे के बजाय जरूरत के हिसाब से चीजें तय करते हैं।

मैं जरूरत के हिसाब से काम करता हूं

अभिनेता ने कहा कि वह ज्यादातर छोटी और मीडियम बजट की फिल्मों में काम करते रहे हैं, इसलिए हर चीज जरूरत देखकर तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'सच्चाई ये है कि मैं ज्यादातर छोटी या मीडियम बजट की फिल्में करता रहा हूं। इसलिए मैं हर चीज फिल्म की जरूरत के हिसाब से तय करता हूं। जो लोग बड़ी फिल्मों में काम करते हैं, उनके तरीके अलग हो सकते हैं। वहां अगर मेकर्स उस पूरे सेटअप की इजाजत देता है, तो फिर बाद में उसे शिकायत करने का भी कोई हक नहीं है।'

मैं सिर्फ अपनी फिल्मों का प्रमोशन करता हूं, बाकी चीजों में नहीं पड़ता

मनोज कहते हैं कि वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन जरूर करते हैं, लेकिन चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में यकीन नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम अपनी फिल्मों को प्रमोट करते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को लेकर जागरूक हों। उसके बाद फिर हम अगली फिल्म में चले जाते हैं। और मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि जो होगा, वो होगा। अपना काम शिद्दत से कीजिए, क्योंकि आपके भाग्य का कोई कुछ नहीं ले जा सकता।'

संक्षिप्त समाचार

भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, रोजमर्रा का खर्च चलाना भी मुश्किल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन

दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर-सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें।

जर्मनी में रेल सेवाएं ठप, संचार प्रणाली में आई खराबी; स्टेशनों पर फंसे हजारों यात्री

बर्लिन, एजेंसी। संचार प्रणाली में आई तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार देर रात जर्मनी की

रेल सेवाएं ठप हो गईं। इसके चलते देशभर में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें रुक जाने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों की स्टेशन सूचना केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, जहां वे आगे की यात्रा के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल कंपनी डॉयचे बान ने बताया कि जीएसएम-आर डिजिटल संचार प्रणाली में देशव्यापी समस्या आने के कारण सभी ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। यह प्रणाली रेलवे नेटवर्क के भीतर आंतरिक संचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। डॉयचे बान ने आधी रात जारी बयान में कहा कि समस्या की वजह का पता लगा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि खराबी किस कारण हुई। कंपनी ने कहा, 'तकनीशियन समाधान निकालने के लिए गहनता से काम कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को टैक्सी और होटल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां संभव होगा, वहां स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों को यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्थिति के लिए खेद भी जताया। खराबी की सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद नेटवर्क के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। बर्लिन के कम्यूटर रेल नेटवर्क ने कहा कि ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यात्रियों को अभी भी देरी और रद्द होने की आशंका के लिए तैयार रहना चाहिए। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय रेल सेवाएं संचालित करने वाली डीबी रेजियो मिट्टे ने भी बताया कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोग सभी की डूबने से मौत

लंदन , एजेंसी। यूरोप में जारी भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में हीटवेव के चलते अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरे करीब 40 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में अधिकांश युवा बताए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी से परेशान होकर कई लोग असुरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में नदी में नहाने के लिए उतर गए थे। हालांकि, तेज बहाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये लोग हादसे का शिकार हो गए। विशेषज्ञ इसे यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के खतरनाक प्रभावों का संकेत मान रहे हैं।

सबसे गर्म रात के बाद बुलाई गई आपात बैठक

फ्रांस में रिकॉर्ड स्तर की गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में लोगों को गर्मी से बचाव और सुरक्षा उपायों को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद फ्रांसीसी मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने

कहा कि डूबने से जान गंवाने वालों में अधिकांश युवा थे। उन्होंने इन मौतों को ÷दुखद आपदा÷ बताते हुए कहा कि ये लोग उस संकट के पहले शिकार हैं, जिसका सामना पूरा देश कर रहा है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि हीटवेव के दौरान किसी भी प्रतिबंधित या असुरक्षित जल क्षेत्र में तैराकी करने से बचें। गर्मी का कहर केवल जल दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहा। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेंट्रास इलाके में दो और चार वर्ष की उम्र के दो बच्चों की मौत की सबसे संभावित वजह हीट स्ट्रोक बताई गई है। दोनों बच्चे अपने घर के बाहर खड़ी कार में बेहोश पाए गए थे। इसके अलावा, बोर्डो क्षेत्र में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 वर्ष आयु वर्ग के तीन बुजुर्गों की भी मौत हो गई। 1947 के बाद सबसे गर्म रात दर्ज

फ्रांस की मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की रात 1947 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद की सबसे गर्म रात साबित हुई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, देश का औसत तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 2019 में बने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हीटवेव की वजह से बोर्डो, पोइटियर्स समेत कई शहरों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना दिए। बढ़ती गर्मी से बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर भी भारी दबाव देखने को मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों में हीटवेव अलर्ट जारी किया है।

नीरव मोदी को बड़ा झटका: ब्रिटिश कोर्ट का आदेश- बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा

लंदन, एजेंसी। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़ रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था। नीरव ने 3 अगस्त 2013 को इसकी व्यक्तिगत गारंटी दी थी। 2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया। बैंक ने अक्तूबर 2025 में नीरव को एक और मांग भेजी। न्यायाधीश टिंकलर ने कहा कि फरवरी 2018 से फायरस्टार समूह की हर कंपनी प्रभावित हुई थी। न्यायाधीश टिंकलर ने बताया कि 17 फरवरी 2018 को नीरव ने बैंक को ईमेल भेजा था। इसमें उसने मीडिया की हलचल से संचालन बंद होने की बात कही थी। उसने समूह की बैंकों को बकाया चुकाने में असमर्थता भी बताई थी। नीरव ने अप्रैल 2018 और अक्तूबर 2025 की मांगें मिलने से इन्कार किया।

कैलिफोर्निया की लाइब्रेरी में 18 साल के लड़के ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चिको शहर की एक पब्लिक लाइब्रेरी में 18 साल के एक सिरफिरे लड़के ने पूरी प्लानिंग के साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस खौफनाक हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। राहत की बात यह रही कि अमेरिकी पुलिस ने सूचना मिलने के महज 4 मिनट के भीतर ही जान की बाजी लगाकर शूटर को जिंदा दबोच लिया जिससे लाइब्रेरी के अंदर मौजूद दर्जनों अन्य लोगों की जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध ने लाइब्रेरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक व्यक्ति को गोली मार दी और फिर इमारत के भीतर घुसकर एक महिला की भी गोली मारकर हत्या कर दी। चिको के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि सोमवार शाम ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा से संबंधित आपातकालीन फोन कॉल में गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के दो मिनट के भीतर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। एल्ड्रिज ने जान-माल के और नुकसान को रोकने पर पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा, पहली आपातकालीन कॉल मिलने से लेकर संदिग्ध को हिरासत में लेने तक की पूरी कार्रवाई चार मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई।

पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से ही रचा ली शादी, फिर 1 साल बाद हो गई बोर

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। रिलेशनशिप में बार-बार धोखा खाने और पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से शादी (करने वाली लंदन की एक मशहूर मॉडल अब एक नए कारण से सुर्खियों में हैं। मर्दों से तंग आकर खुद को अपना जीवनसाथी बनाने वाली 36 वर्षीय ब्राजीलियन इन्फ्लुएंसर सुलेन कैरी ने शादी के ठीक एक साल बाद अब खुद से ही तलाक ले लिया है। सुलेन का कहना है कि वह खुद के साथ इस रिश्ते को निभाते-निभाते इतनी थक गईं और बोर हो गईं कि अब उन्हें खुद से ही ब्रेकअप करना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल सुलेन कैरी की इस अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुरुषों के साथ बेहद कड़वे अनुभवों के बाद सुलेन ने फैसला किया था कि वह किसी और के भरोसे रहने के बजाय खुद को ही अपनी सोलमेट बनाएगी। उन्होंने लंदन में एक शानदार पार्टी रखी, सफेद वेडिंग गाउन पहना, केक काटा और खुद से हमेशा प्यार करने का वादा किया। शादी के बाद सुलेन खुद ही अकेले डेट पर जाती थीं, खुद को महंगे तोहफे देती थीं और अपनी खुशियां खुद तय करती थीं। शादी के 12 महीनों बाद सुलेन ने

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट शेयर की जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। सुलेन ने लिखा कि शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा और आज़ाद था लेकिन धीरे-धीरे खुद के साथ चौबीसों घंटे रहना एक दबाव बनने लगा। वह अंदर से बेहद अकेलापन महसूस करने लगीं।

मॉडल ने अपनी पोस्ट में कुबूल किया, मैं खुद से शादी करके खुश थी लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद को ही एग्जॉस्ट (मानसिक रूप से थका) कर रही हूं। मुझ पर खुद को हमेशा परफेक्ट रखने का इतना प्रेशर था कि मैं खुद को भी सहन नहीं कर पा रही थी। सुलेन के इस सेल्फ-डिवोर्स की खबर आते ही सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ लोग इसे केवल सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरने का एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं जबकि कुछ यूजर्स मजे लेते हुए लिख रहे हैं- जब मैडम से खुद का साथ सहन नहीं हो रहा, तो वो किसी और पुरुष को कैसे झेल पातीं? वहीं रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोलोगैमी यानी खुद से शादी करना आत्म-सम्मान के लिहाज से एक अच्छा विचार लग सकता है लेकिन लंबे समय तक इंसानी स्वभाव अकेले नहीं रह सकता। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। किसी भी रिश्ते में जो भावनात्मक सपोर्ट और सुख-दुख साझा करने के लिए दूसरे पार्टनर की जरूरत होती है वह इंसान खुद अकेले रहकर कभी पूरी नहीं कर सकता।

27 वर्षीय भारतीय महिला ने जीता फ्री लग्जरी अपार्टमेंट

दुबई , एजेंसी। दुबई में रहने वाली 27 वर्षीय भारतीय महिला की किस्मत उस समय चमक गई जब उसने एक शॉपिंग कैंपेन के जरिए मुफ्त में एक स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया। केरल मूल की आयशा अमीर इस विशेष आवासीय अभियान की पहली विजेता बनी हैं, जिसे दुबई में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आयशा ने शहर में खरीदारी के दौरान एक लकी ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत ग्राहकों को भाग लेने वाले स्टोर्स से कम से कम 500 दिरहम की खरीदारी करनी होती है। इसके बाद क्यूआर कोड स्कैन कर खरीदारी की रसीद अपलोड करनी होती है, जिससे उनका नाम ड्रॉ में शामिल हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उन्हें इस अभियान की जानकारी उनके पति ने दी थी। उन्होंने मॉल और सोशल मीडिया पर इसके विज्ञापन देखे थे, जिसके बाद आयशा ने भी इसमें हिस्सा लेने का फैसला किया। जब उन्हें जीत की सूचना देने के लिए फोन आया तो शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि शायद कोई धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में आयोजकों की ओर से आधिकारिक ईमेल और जरूरी जानकारी मिलने के बाद उन्हें यकीन हुआ कि उन्होंने वास्तव में एक लग्जरी स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया है। आयशा और उनके पति पिछले साल विवाह बंधन में बंधे थे और भविष्य में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे। लेकिन इस साल क्षेत्रीय परिस्थितियों और अनिश्चितताओं के कारण उन्होंने फिलहाल अपना फैसला टाल दिया था। ऐसे में

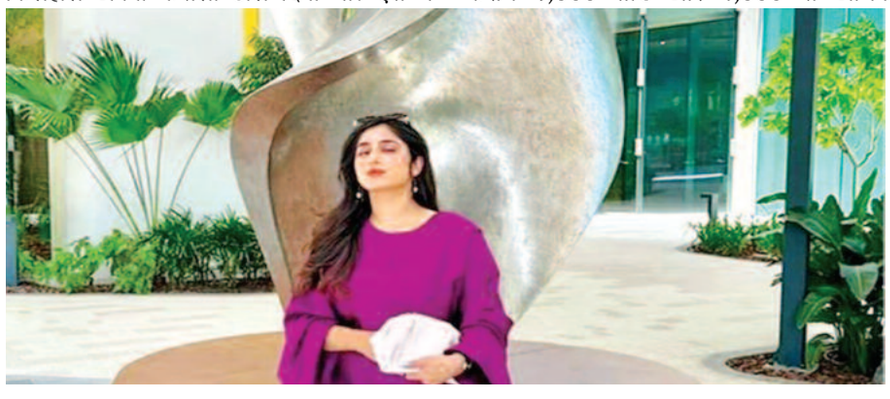

मुफ्त अपार्टमेंट जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों को बड़े इनाम जीतते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ कभी नहीं होगा। लेकिन उनकी जीत यह साबित करती है कि कभी-कभी किस्मत अप्रत्याशित तरीके से भी दरवाजा खटखटा सकती है। इस अभियान के तहत कुल 12 अपार्टमेंट विजेताओं को दिए जाएंगे। अगस्त के अंत तक हर सप्ताह नए विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इस पहल में करीब 1,000 ब्रांड और 4,000 से अधिक रिटेल आउटलेट शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ खरीदारी को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि दुबई के निवासियों और ग्राहकों को खास अनुभव देना भी है। सरल प्रक्रिया और आकर्षक इनामों के कारण यह कैंपेन लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला- अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है। ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था। हालांकि उस समय उन्हें सशर्त प्रवेश की मंजूरी दी गई। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाउ ने बाद में जाली नोट बनाने के आरोपों को भी स्वीकार किया। जिसके बाद उसे देश से निर्वासित करने का

मिसाइलों के दम पर बचा ईरान

राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले- यूएस के साथ समझौते में शामिल नहीं हमारा मिसाइल कार्यक्रम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के साथ हुए 14 सूत्रीय समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मिसाइलों को लेकर ऐसा कोई समझौता नहीं होगा। पेजेशकियन ने यह बात पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मीडिया वार्ता के दौरान कही। राष्ट्रपति ने अपने देश के मिसाइल कार्यक्रम का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें ईरान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। उनके मुताबिक, अगर ईरान के पास ये मिसाइलें नहीं होतीं, तो इस्रायल और अमेरिका अब तक ईरान को पूरी तरह बर्बाद कर चुके होते। उन्होंने मिसाइल क्षमता और अमेरिका के साथ हुए समझौते के बीच किसी भी तरह के जुड़ाव को सिरे से खारिज कर दिया। पेजेशकियन इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वहां वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ आपसी संबंधों और क्षेत्र के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। यह बयान स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है। इस 14 सूत्रीय समझौते का मुख्य उद्देश्य इलाके में जारी तनाव और दुश्मनी को खत्म करना है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका ने इस समझौते का आधिकारिक मसौदा सबके सामने रखा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते में कई अहम बातें शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का प्रावधान है। साथ ही ईरान पर लगी कुछ आर्थिक पाबंदियों को कम करने की बात भी कही गई है। समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य में तकनीकी बातचीत करने की रूपरेखा भी तैयार की गई है।

हालांकि, इस आधिकारिक दस्तावेज में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी तरह की रोक का जिक्र नहीं है। इसमें हथियारों से जुड़ी सिर्फ एक ही शर्त है।

रूस से तेल-कोयले की सप्लाई के लिए भारत का नया दांव, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर बना नई लाइफलाइन

मास्को , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होरमुज़ जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारत और रूस के बीच विकसित किया गया ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में उभर रहा है। यह समुद्री मार्ग भारत के चेन्नई बंदरगाह को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से जोड़ता है और इसे आर्थिक तथा सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने वर्ष 2024 में इस मार्ग को सक्रिय किया था, जब लाल सागर क्षेत्र में हमास-इजरायल संघर्ष के प्रभाव के चलते यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। अब अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव

तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधान ने इस समुद्री गलियारे की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईएमसी के जरिए रूस से भारत आने वाले जहाजों का ट्रांजिट समय लगभग 24 दिन रह जाता है, जबकि पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग से यही यात्रा 40 दिनों से अधिक समय ले सकती है।इससे भारत को रूस से कच्चा तेल, कोकिंग कोल और अन्य महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की तेज और अपेक्षाकृत कम लागत वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।भारत की इस्पात और ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में रूस से निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो ईएमसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता इससे रूस से आने वाले कच्चे माल और ऊर्जा संसाधनों को भारतीय बंदरगाहों से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेज़ी और कम लागत में पहुंचाना संभव होगा। यह समुद्री गलियारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप भी माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारत पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक भागीदारी मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)